



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 14]
No. 14]

नई दिल्ली, शनिवार, अप्रैल 6, 1991 (चैत्र 16, 1913)
NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 6, 1991 (CHAITRA 16, 1913)

(इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके)
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

विषय

पृष्ठ	पृष्ठ
भाग I—खण्ड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों में संबंधित अधिसूचनाएं	भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (iii) भारत सरकार के मंत्रालयों (जिनमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांख्यिक नियमों और सांख्यिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपविधियां भी शामिल हैं) के हिन्दी अधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खण्ड 3 या खण्ड 4 में प्रकाशित होते हैं)
285	*
भाग I—खण्ड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	भाग II—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांख्यिक नियम और आदेश
403	*
भाग I—खण्ड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांख्यिक आदेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	भाग III—खण्ड 1—उच्च न्यायालयों, निर्यातक और मन्त्रालय परीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग रेल विभाग और भारत सरकार से संबद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं
3	313
भाग I—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	भाग III—खण्ड 2—पेटेंट कार्यालय द्वारा जारी की गई पेटेंटों और डिजाइनों से संबंधित अधिसूचनाएं और नोटिस
507	387
भाग II—खण्ड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम	भाग III—खण्ड 3—मुख्य आयुक्तों के प्राधिकार के अधीन अथवा द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं
*	1
भाग II—खण्ड 1—क—अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ	भाग III—खण्ड 4—विविध अधिसूचनाएं जिनमें सांख्यिक निकायों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं, आवेदन, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं
*	761
भाग II—खण्ड 2—विधेयक तथा विधेयकों पर प्रवर समितियों के बिल तथा रिपोर्ट	भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी निकायों द्वारा जारी किए गए विज्ञापन और नोटिस
*	45
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i) भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांख्यिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आवेदन और उपविधियां आदि भी शामिल हैं)	भाग V—अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में जन्म और मृत्यु के, आकड़ों के, वगैरह नामों के, अनुपूरक
*	*
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांख्यिक आवेदन और अधिसूचनाएं	
*	

CONTENTS

	PAGE		PAGE
PART I—SECTION 1—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolution issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court.	285	PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (iii) Authoritative texts in Hindi (other than such texts, Published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including Bye-laws of a general character) issued by the Ministries of Government of India (including the Ministry of Defence) and by General Authorities (other than Administration of Union Territories)	*
PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	403	PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence	*
PART I—SECTION 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence	3	PART III—SECTION 1—Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India	313
PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence	507	PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, relating to Patents and Designs	387
PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations	*	PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	1
PART II—SECTION 1-A—Authoritative texts in Hindi Language of Acts, Ordinances and Regulations	*	PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	761
PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills	*	PART IV—Advertisements and Notices issued by Private individuals and Private Bodies	45
PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (i) General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws, etc. of general character) issued by the Ministries of the Government of India, (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*	PART V—Supplement showing Statistics of Births and Deaths etc. both in English and Hindi	*
PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*		

भाग I—खण्ड 1

[PART I—SECTION 1]

(रक्षा मंत्रालयों को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालयों द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 11 मार्च, 1991

सं० 39-ब्रेज/91—राष्ट्रपति पंजाब पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी बीरता के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद
श्री अवतार सिंह छेन्ना, (मरणोपरान्त)
पुलिस अधीक्षक (ओपरेशन),
तरन-तारन ।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया

24 जून, 1989 को थाना अधिकारी और केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल की 72वीं बटालियन के पुलिस उप-अधीक्षक अपने बल के कुछ कामियों के साथ गंगोबुवा बस स्टैंड पर थे । उन्हें मुस्सा गांव के एक व्यक्ति नामतः धर्म सिंह के घर में 5-6 उग्रवादियों के होने के बारे में सूचना मिली । वे तुरन्त मुस्सा गांव की रवाना हुए । जब पुलिस बल गांव में पहुंचा तो उग्रवादियों ने पुलिस दल पर गोलियां चलायी शुरू कर दीं । थाना प्रशासक के थाना अधिकारी ने तरन-तारन के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को घटना के बारे में वायरलेस से सूचना दी । श्री अवतार सिंह छेन्ना, पुलिस अधीक्षक (ओपरेशन) तथा 2 पुलिस अधीक्षक सहित तरन-तारन के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अपने-अपने बलों के साथ वहां पहुंचे और गांव को घेर लिया । श्री अवतार सिंह छेन्ना, दोनों पुलिस उप-अधीक्षक तथा थाना प्रशासक के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अपने बंदूकधारियों के साथ चारों ओर से आतंकवादियों की ओर बढ़े । गोली-बारी के दौरान तरन-तारन के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिया कि उग्रवादियों को आत्मसमर्पण करने के लिए बाध्य करने के बराबर से उनको निकट आकर घेरे । अपने दो बंदूकधारियों सहित श्री अवतार सिंह छेन्ना ने असाधारण साहस दिखाया और गांव मुस्सा के मरहूम सिंह के घर के प्रांगण में प्रवेश किया । जब वे घर के अन्दर घुसे तो आतंकवादियों ने एक-एक मकान की छिड़कियों से गोलियां चलायी शुरू कर दी । इस गोली-बारी के परिणामस्वरूप श्री अवतार सिंह छेन्ना तथा उनके दो बंदूकधारी गम्भीर रूप से घायल हो गए । घायल होने के बावजूद उन्होंने आगामी जान की परवाह किए बिना उग्रवादियों पर गोलियां चलायी जारी रखा । घायलों की बचाने के लिए, पुलिस उप-अधीक्षक, गुप्तचर, तरन-तारन तथा थाना प्रशासक के थाना अधिकारी सहित तरन-तारन के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने अपने बलों के साथ गोलियां चलाई और श्री अवतार सिंह छेन्ना तथा दोनों बंदूकधारियों को बाहर निकाला । गोली-बारी में पांच उग्रवादी मारे गए । श्री अवतार सिंह छेन्ना, पुलिस अधीक्षक, (ओपरेशन) तथा उनके दो बंदूकधारियों को परन्तु अस्पताल में ले जाया गया परन्तु घायल होने के कारण श्री छेन्ना की रास्ते में मृत्यु हो गयी ।

इस मुठ-भेड़ में श्री अवतार सिंह छेन्ना, पुलिस अधीक्षक (ओपरेशन) ने उत्कृष्ट बीरता, साहस और उच्च कौशल की कर्तव्यप्रणयना का परिचय दिया ।

यह पदक राष्ट्रपति का पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(1) के अन्तर्गत बीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 8 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 24 जून, 1989 से दिया जाएगा ।

सं० 40-ब्रेज/91—राष्ट्रपति, पंजाब पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी बीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद
श्री एच० एस० डिल्लों,
पुलिस अधीक्षक,
जालन्धर ।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया

थाना नकोदर के आतंकवादियों की जानकारी के एक गिरोह की गतिविधियों के बारे में सूचना प्राप्त हुई । श्री एच० एस० डिल्लों, पुलिस अधीक्षक (प्रशासन), जालन्धर, को क्षेत्र को अपने अधीन लेने और एक विस्तृत छानबीन अभियान तैयार करने का कार्यभार सौंपा गया । दिनांक 29 सितम्बर, 1989 को प्रातः लगभग 4 बजे क्षेत्र की छानबीन करने के लिए कई दल बनाए गए, जिनमें श्री डिल्लों ने विस्तृत जानकारी दी और बिन निकलने पर खोज कार्य आरम्भ कर दिया ।

प्रातः लगभग 7.00 बजे सूचना प्राप्त हुई कि आतंकवादी ग्रामः बधेला, थाना : नकोदर, के अधीन दारा सिंह नामक व्यक्ति के फार्म हाउस में छिपे हुए हैं । पुलिस अधीक्षक, खुफिया, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल की 89वीं बटालियन के कमांडेंट और थाना नकोदर के थानेदार तथा उनके दोनों सहित श्री डिल्लों फार्म हाउस पर छापा मारने के लिए गए । जब पुलिस बल फार्म हाउस के निकट पहुंचा तो घातक हथियारों से लैस पांच आतंकवादी फार्म हाउस के एक कमरे से बाहर निकले और उन्होंने पुलिस बल पर अंधाधूंध गोलियां चलायी आरम्भ कर दी । श्री डिल्लों ने तुरन्त स्थिति का जायजा लिया और पुलिस कामियों को जवाबी गोली चलाते और फार्म हाउस की ओर आगे बढ़ने का आदेश दिया । उन्होंने फार्म हाउस का पिछला तरफ धाके के खेत में मोर्चा संभाला ।

पुलिस दल जैसे ही फार्म हाउस की बाईं ओर बढ़ा, धान के खेत में छिपे हुए आतंकवादियों ने पुलिस दल पर भीषण गोली-बारी करनी आरम्भ कर दी । स्थिति को भांपते हुए, श्री एच० एस० डिल्लों ने अपनी जान को जोखिम में डाला और बिजली की गति में मकान की छत पर चढ़ गए, जबकि केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल की 89वीं बटालियन, के पुलिस अधीक्षक (खुफिया) के नेतृत्व में दो पुलिस दलों ने अपने पोजीशनों से रक्षात्मक गोलियां चलाई । छुपे हुए आतंकवादियों का पता लगाने के लिए श्री डिल्लों छत पर रेंगते हुए सरकें और अपनी एस० एल० आर० से उन पर गोलियां चलाई । इस पर सभी पांच आतंकवादियों ने स्व-चालित हथियारों से भीषण गोली-बारी कर श्री डिल्लों को व्यस्त रखा । श्री डिल्लों अपनी बाईं ओर के दो आतंकवादियों को मारने में सफल हुए । शेष तीन आतंकवादी श्री डिल्लों पर गोलियां चलाते रहे ।

इसके बाद श्री हिल्लो ने अन्य आतंकवादियों, जो उनके बाईं ओर थे, पर गोलियां चलाने के उद्देश्य से अपनी जगह बदली। इस दौरान, पंजाब पुलिस के पांच कांस्टेबल छल पर चढ़ गए और उन्होंने श्री हिल्लो के बाईं तथा दाईं ओर पोजिशन संभाल ली। उन्होंने आतंकवादियों के ठीक ऊपर अपने निशाने लगा कर गोलियां चलाई। दोनों ओर से गोलियां चलने के दौरान एक गोली एक कांस्टेबल की बाजू में लग गई, परन्तु श्री हिल्लो ने एकाग्रता और संयम के से काम लिया और शेष आतंकवादियों को शांत करने के लिए और अधिक तीव्रता के साथ गोलियां चलाई। लगभग 15 मिनट की गोलीबारी के बाद श्री हिल्लो ने दो आतंकवादियों को मार डाला। इस पर, पाचवे आतंकवादी ने, जो कि बुरी तरह घायल हो चुका था, हाथ उठा दिए और आत्मसमर्पण कर दिया। इसकी बाद में सतनाम सिंह लक्ष्मीर सिंह के रूप में पहचान की गई। चार मृत आतंकवादियों की बाद में बोहर सिंह, सतनाम सिंह, रेशम सिंह और बलबत सिंह के रूप में शिनाख्त की गई।

इस मुठभेड़ में श्री एच० एम० हिल्लो, पुलिस अधीक्षक ने उत्कृष्ट वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(1) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 29 सितम्बर, 1989 से दिया जाएगा।

सं० 41-प्रेज/91—राष्ट्रपति, पंजाब पुलिस के निम्नांकित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :—

अधिकारियों का नाम तथा पद :

श्री जोगिन्दर सिंह,
पुलिस निरीक्षक,
सं० एफ० आर०/6 (अब पुलिस उप-अधीक्षक),
संगरूर।

श्री सत पाल,
पुलिस उप-निरीक्षक,
सं० 265/एफ० आर०,
संगरूर।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया

दिनांक 11 मई, 1989 को बहादुर सिक्खाना, संगरूर जिले, के अन्तर्गत सी० आई० ए० स्टाफ के पुलिस निरीक्षक जोगिन्दर सिंह को एक गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि "ए" श्रेणी के कुछ आतंकवादी, लुधियाना जिले के जगदीश पुलिस स्टेशन के अधीन हरबिन्दर सिंह नामक एक व्यक्ति के घर में छुपे हुए हैं। उन्होंने तुरन्त एक छापामार दल का गठन किया जिसमें श्री सतपाल, उप-निरीक्षक, दो सहायक उप-निरीक्षक, एक हेड कांस्टेबल और आठ कांस्टेबल शामिल थे। जगदीश पुलिस की सहायता से पुलिस दल ने हरबिन्दर सिंह के घर को प्रातः लगभग 5.30 बजे चारों ओर से घेर लिया तथा श्री जोगिन्दर सिंह ने आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करने के लिए कहा तो आतंकवादियों ने पुलिस दल पर गोलियां चलाने आरम्भ कर दी। उप-निरीक्षक सत पाल, एक सहायक उप-निरीक्षक और एक कांस्टेबल सहित निरीक्षक जोगिन्दर सिंह बाहरी दीवार पर चढ़ गए और घर के अन्दर कूद और उनका सामना आतंकवादियों से हुआ लेकिन आतंकवादियों ने उन पर भारी गोली-बारी की जिससे उप-निरीक्षक सत पाल और दो कांस्टेबल घायल हो गए। पुलिस दल ने आत्म रक्षा में अश्वशी गोली-बारी की। तुरन्त की गई इस कार्यवाही से आतंकवादियों की ओर से होने वाली गोली-बारी रुक गई। पुलिस दल ने बाद में दान सिंह उर्फ मक़ब्रन सिंह पुत्र मुख्तार सिंह को मृत पाया जबकि उसका साथी सिकन्दर सिंह पुत्र जागीर सिंह घायल हो गया था उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

इस मुठभेड़ में श्री जोगिन्दर सिंह, पुलिस निरीक्षक, श्री सतपाल, पुलिस उप-निरीक्षक, ने उत्कृष्ट वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम, 4(1) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरूप नियम, 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 11 मई, 1989 से दिया जाएगा।

सं० 42-प्रेज/91—राष्ट्रपति, सीमा सुरक्षा बल के निम्नांकित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :—

अधिकारियों का नाम तथा पद

श्री लक्ष्मण सिंह,
कम्पनी हवलदार,
81वीं बटालियन,
सीमा सुरक्षा बल।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया

दिनांक 6 फरवरी, 1990 को रात के लगभग 9.00 बजे कम्पनी मुख्यालय, शेखपुरा से लगभग एक कि० मी० की दूरी पर स्थित, प्रताप पेपर मिल में आग की आवाज सुनाई देने की सूचना प्राप्त होने पर हेड-कांस्टेबल लक्ष्मण सिंह तथा अन्य 6 को साथ लेकर एक उप-निरीक्षक के नेतृत्व में एक दल घटना स्थल की ओर गया और पेपर मिल को चारों ओर से घेर लिया। इस बीच यूनिट कमांडेंट के नेतृत्व में एक अन्य गश्ती दल भी वहाँ पहुँच गया और वे उस इमारत में घुस गए जहाँ आग लगी हुई थी। पुलिस देखने पर चार आतंकवादियों ने जिन्होंने प्रताप पेपर मिल को आग लगायी थी, भागने का प्रयास किया। भाग रहे आतंकवादियों ने श्री लक्ष्मण सिंह पर गोलियां चलाई। श्री सिंह ने तुरन्त उसका जवाब दिया और 3 उग्रवादियों पर गोलियां चलाई और अपनी निजी मुराहा की परवाह किए बिना अकेले आतंकवादियों का पीछा किया। श्री सिंह ने एक आतंकवादी को मार गिराया, जिसकी बाद में थाना सदर बटाला के अन्तर्गत ग्राम हरधान का सबिन्दर सिंह सिंह के रूप में शिनाख्त की गई, जिसके ऊपर 30,000/- रु० का इनाम था। यह आतंकवादी हत्याओं के 60 से अधिक मामले और कई बम विस्फोट के मामलों में ग्रस्त था। मारे गए उग्रवादी से एक एच०ई०-36 हथगोला, ए० के०-47 राइफल की दो मैगजीनें और 272 बिना शर्त कारतूस बरामद किए गए। यूनिट कमांडेंट के नेतृत्व में दूसरा पुलिस दल, जो पहली मजिल पर पहुँच चुका था जहाँ से आतंकवादी गोलियां चला रहे थे, ने देखा कि आतंकवादियों ने पेपर मिल पर मिट्टी का तेल छिड़क कर आग लगायी है। दल ने शीघ्र ही आग को बुझा दिया और इस तरह से 15 करोड़ से अधिक रु० का नुकसान होने से रोका।

इस मुठभेड़ में, श्री लक्ष्मण सिंह, कम्पनी हवलदार मेजर, ने उत्कृष्ट वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम, 4(1) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम, 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 6 फरवरी, 1990 से दिया जाएगा।

सं० 43-प्रेज/91—राष्ट्रपति, सीमा सुरक्षा बल के निम्नांकित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :—

अधिकारियों का नाम तथा पद
श्री एन० डी० गोस्वामी,
उप-कमांडेन्ट,
107वीं बटालियन,
सीमा सुरक्षा बल।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पत्रक प्रदान किया गया

23 मई, 1988 को श्री एन० डी० गोस्वामी, उप-कमान्डेंट, 107वीं बटालियन, सीमा सुरक्षा बल अपनी नई जगह पर नौतानी के लिए हावड़ा से कूच-बिहार जाने के लिए कार्प एक्सप्रेस से यात्रा कर रहे थे। जब गाड़ी रात के लगभग 9.10 बजे खड़गा जंक्शन, न्यू मुंगिदाबाद पर पहुँची तो श्री गोस्वामी ने प्रथम श्रेणी के डिब्बे में, जिसमें वे यात्रा कर रहे थे, कुछ बदमाशों को आपस में संकेत करते और संदेहास्पद स्थिति में घूमते हुए देखा। संदेहास्पद गतिविधियों और आपसी संकेतों से उन्हें कुछ खतरा महसूस हुआ। खतरे की संभावना के बावजूद भी वह अपने डिब्बे से बाहर आए और शीघ्राय की ओर गए। उन्होंने शीघ्रता से क्षेत्र की जांच की और स्थिति का जायजा लिया। फिर उन्होंने कम्पार्ट-मेंट के बरामदे में दो हट्टे-कट्टे युवकों को हथियार उधरे हुए देखा। वे प्रथम श्रेणी के यात्री नहीं दिखाई दे रहे थे, इसलिए श्री गोस्वामी ने उनसे पूछताछ की। जब श्री गोस्वामी उनमें से एक व्यक्ति के साथ बातचीत कर रहे थे तो दूसरे व्यक्ति ने गुपचाप अपने कमर के बस्त्रों से कुछ वस्तु बाहर निकालने की कोशिश की। श्री गोस्वामी ने उसकी इस गतिविधि को तुरन्त भापा और बिना कोई समय ग्वाए और अपनी जान की खतरे में डालकर वे उस व्यक्ति पर झपटे। हाथापाई के बाद श्री गोस्वामी ने उस व्यक्ति को दबोच लिया और उसे निःशस्त्र करने में सफल हो गए। उसके पास 5 कारतूस सहित 303 बोर विस्तोल थी। हाथापाई की आवाज सुनकर कम्पार्टमेंट के अन्य यात्री बाहर आए और दोनों अपराधियों को दबोचने में श्री गोस्वामी की सहायता की। दोनों अपराधियों को बाइ मे शस्त्रों और गोला-बारूद सहित 400 आर० पी० के सुपुर्द कर दिया गया। श्री गोस्वामी की साहसिक और निर्भीक कार्रवाई से गाड़ी में होने वाली सुनियोजित डकैती से उसे बचा लिया गया, जिससे जान और सम्पत्ति को नुकसान हो सकता था।

इस घटना में श्री एन० डी० गोस्वामी, उप-कमान्डेंट ने उत्कृष्ट वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पत्रक पुनः पत्रक नियमावली के नियम 4(11) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 23 मार्च, 1988 से दिया जाएगा।

दिनांक 12 मार्च, 1991

मुद्रित

सं० 45-प्रेज/91—गणसन्त दियस 1991 के अवसर पर सराहनीय सेवा के लिए पुलिस पदक प्रदान किए जाने से सम्बन्धित दिनांक 9 फरवरी, 1991 के भारत के राजपत्र के भाग I खण्ड 1 में प्रकाशित इस सचिवालय की अधिसूचना सं० 4-प्रेज/91, दिनांक 26 जनवरी, 1991 में निम्न संशोधन किया जाता है :—

पृष्ठ 41 क्रम सं० 1 पर
श्री शशीकान्त कलिपकान्त पाण्डे
के स्थान पर
श्री शशीकान्त दिलिपकान्त पाण्डे
पढ़े।

ए० के० उपाध्याय,
निदेशक

कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय

(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 6 मार्च, 1991

संकल्प

सं० 118/1/91-ए० वी० डी०-1—इस बात की सतुष्टि होने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार ने यह निर्णय

लिया है कि दिनांक 19 जून, 1990 के संकल्प संख्या 118/1/90-ए० वी० डी०-1 द्वारा भारत सरकार के दिनांक 11 फरवरी, 1964 के संकल्प संख्या 24/7/64-ए० वी० डी० के पैरा 2 के अन्तर्गत समाहित धारा (XV)—गोवा राज्य सरकार के सम्बन्ध में 6 जनवरी, 1991 से अगली एक वर्ष की अवधि के लिए अथवा ऐसी अवधि तक जब तक की राज्य सरकार द्वारा अपने सत्कर्ता संगठन की स्थापना करने के लिए, जो भी पहले हो, नैकल्पिक व्यवस्था नहीं कर ली जाती—लागू रहेगी।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक प्रति सभी राज्य सरकारों, भारत सरकार के सभी मंत्रालयों इत्यादि को भेज दी जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

वी० सैन,
संयुक्त सचिव

वस्त्र मंत्रालय

(वस्त्र आयुक्त का कार्यालय)

मुंबई, दिनांक 1 जनवरी 1991

सं. सी. ई. आर. (30)/91-सी. एल. बी.—यस्त्र (नियंत्रण) आदेश, 1986 के खण्ड 16 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद् द्वारा निम्नोक्त निर्देश जारी करता हूँ :—

अधिसूचना सं. सी. ई. आर. (11)/86-सी. एल. बी. दिनांक 22-3-86, आगामी आदेशों के आने तक प्रभाव में रहेगी।

अरुण कुमार, वस्त्र आयुक्त

पर्यावरण और वन मंत्रालय

(पर्यावरण, वन तथा वन्यजीव विभाग)

नई दिल्ली-110003, दिनांक 28 जनवरी 1991

संकल्प

सं०—6-4-89-वन्यजीव-1—भारत सरकार से भारतीय वन्यजीवों के निम्नानुसार पुनर्गठन करने का निर्णय लिया है :—

- | | |
|--------------|---|
| 1. अध्यक्ष | भारत के प्रधान मंत्री |
| 2. उपाध्यक्ष | पर्यावरण और वन राज्यमंत्री |
| 3. सदस्य | भारतीय मंदर के तीन सदस्य—दो लोकसभा से और एक राज्यसभा से |

6. सदस्य अध्यक्ष, जीवजन्तु कल्याण परिषद
7. सदस्य अध्यक्ष, बम्बई नैसर्गिक हिस्ट्री सोसायटी
8. सदस्य अध्यक्ष, बोर्ड आफ ट्रस्टीज, वर्ल्ड वाइल्ड लाइफ फण्ड—इण्डिया
9. सदस्य अध्यक्ष, वन्यजीव परिरक्षण सोसायटी, देहरादून
10. सदस्य अध्यक्ष, दक्षिण भारत का वन्यजीव संघ, बंगलौर
11. सदस्य अध्यक्ष, असम घाटी वन्यजीव परिरक्षण सोसायटी
12. सदस्य से 21. प्रसिद्ध संरक्षणविदों, पारिस्मिकविदों और पर्यावरणविदों से 10 गैर सरकारी सदस्य, जिन्हें भारत सरकार द्वारा नामजद किया जाएगा।
22. सदस्य सचिव, पर्यावरण और वन मंत्रालय
23. सदस्य सेनाध्यक्ष
24. सदस्य सचिव, रक्षा मंत्रालय
25. सदस्य सचिव, ध्वज विभाग, वित्त मंत्रालय
26. सदस्य सचिव, वाणिज्य मंत्रालय
27. सदस्य सचिव, शिक्षा विभाग
28. सदस्य गन्धर्व, सूचना और प्रसारण मंत्रालय
29. सदस्य वन महानिरीक्षक, पर्यावरण वन और वन्यजीव विभाग
31. सदस्य महानिरीक्षक, भारतीय बालिकी अनुसंधान शिक्षा परिषद, देहरादून
32. सदस्य निदेशक, भारतीय वन्यजीव संस्थान
33. सदस्य निदेशक, भारतीय प्राणि सर्वेक्षण
34. सदस्य निदेशक, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण
35. सदस्य से 44. 10 राज्यों तथा केन्द्रशासित प्रदेशों से धारी-बारी में एक-एक प्रतिनिधि, जैसा कि भारत सरकार समय-समय पर निर्णय करे। ऐसे प्रतिनिधियों का नामांकन संबंधित राज्य सरकार केन्द्रशासित प्रदेश द्वारा किया जाएगा जो संबंधित राज्य केन्द्रशासित प्रदेश में वन्यजीव संगठन का प्रतिनिधित्व करेंगे।
45. सदस्य-सचिव अवर वन महानिरीक्षक (वन्यजीव), पर्यावरण, वन और वन्यजीव विभाग, भारत सरकार

2. बोर्ड के कार्य निम्नलिखित होंगे:—

- (1) समन्वित कानून और प्रशासनिक उपायों के माध्यम से वन्यजीवों के संरक्षण को बढ़ावा देने और उनके चोरी-छिपे शिकार को प्रभावी रूप से रोकने के तौर-तरीकों के बारे में केन्द्र तथा राज्य सरकार को सलाह देना;
- (2) राष्ट्रीय उद्यानों, अभयारण्यों तथा प्राणि उद्यानों की स्थापना करने के बारे में सलाह देना;
- (3) जीव-जन्तुओं तथा अन्य वन्यजीवों की द्राफियों, खासों, लोम, पंखों तथा अन्य उत्पादों के निर्यात के बारे में सरकार को राय देना;

- (4) देश में वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में प्रगति की समय-समय पर पुनरीक्षा करना और सुधार के लिए आवश्यक उपाय सुझाना;
- (5) वन्यजीवों तथा प्रकृति एवं मानव पर्यावरण के साथ सामंजस्य रखते हुए इनके संरक्षण की आवश्यकता के प्रति सामान्य जनों में रुचि जागृत करना;
- (6) वन्यजीव संग्राहणालयों के गठन के लिए सहायता तथा प्रोत्साहन देना और इस तरह के सभी निकायों के लिए केन्द्रीय समन्वय एजेंसी के रूप में कार्य करना;
- (7) जिले उद्घृत्यों के लिए बोर्ड का गठन किया गया है उसके अनुकूल इस तरह के अन्य कार्यों को करना;
- (8) बोर्ड को भेजे जाने वाले किसी भी मामले पर केन्द्र सरकार को सलाह देना बशर्ते कि इसका विषय बोर्ड कार्यों में आता हो;
- (9) ऐसे सभी कार्यों, जिन्हें बोर्ड वन्यजीवों के परिरक्षण तथा रक्षण के लिए जरूरी उचित या सहायक समझें या इस तरह के अन्य प्रयोजनों, जिनके लिए इसका गठन किया गया है, को या तो अकेले अथवा अन्यो के सहयोग से या भारत सरकार के निर्देश लेकर करला, इनमें वे कार्य भी शामिल हैं, जो इसमें बताए गए हैं

3. सदस्यता की अवधि:

- (1) अपने पद या अपनी नियुक्ति के कारण सदस्य 4 वर्ष की अवधि तक अपने पद पर कार्य करते रहेंगे जब तक अग्रगण्यता आवश्यक नहीं निकाला जाता, बोर्ड का पुनर्गठन हर 4 वर्ष के पश्चात किया जाएगा।
- (2) बोर्ड में नामजद किया गया संसदसदस्य बोर्ड में तब तक कार्य करता रहेगा जब तक कि चार साल के पश्चात बोर्ड का पुनर्गठन नहीं किया जाता बशर्ते कि संसद के भंग हो जाने पर उनकी सदस्यता समाप्त न हो जाए अथवा संसद में उनकी सदस्यता समाप्त न हो जाए।
- (3) निम्नलिखित किसी भी घटना घटित के होने पर सदस्य की सदस्यता समाप्त हो जाएगी, सदस्य की मृत्यु हो जाने पर, उनका द्वारा त्यागपत्र दिये जाने पर, विक्षिप्त हो जाने पर अथवा विशालिया घोषित किय जाने या नैतिक चरित्रहीनता के अपराध में अदालत द्वारा अपराधी घोषित किय जाने पर।
- (4) उपरोक्त किसी कारण से हुई सदस्यता की रिक्तियों, इस प्रकार की रिक्तियों को भरने के लिए पात्र प्राधिकारी द्वारा चार साल के कार्यकाल में से वही हुई बाकी अवधि के लिए नियुक्ति या नामांकन द्वारा भरा जाएगा।

4. बोर्ड की बैठकें

बोर्ड की सामान्यतः साल में एक बैठक होगी और ये बैठकें देश के चारों क्षेत्रों तथा केन्द्र म बारी-बारी से आयोजित की जाएगी।

5. बोर्ड निम्नलिखित उद्देश्यों के लिए एक स्थाई समिति नियुक्त करेगा:—

- (1) बोर्ड की सिफारिशों के कार्यान्वयन पर निगरानी रखना और इससे उठने वाले किसी भी मामले पर केन्द्र तथा राज्य सरकारों की सह्यता और सलाह देना।

(2) बोर्ड के इस प्रकार के कार्य को करना जिन्हें बोर्ड समय-समय पर इसे सौंपे तथा बोर्ड की बैठक न होने पर बोर्ड की धीरे से कार्यवाही करना तथा

(3) बोर्ड के कार्यों को सुचारु रूप से चलाने के लिए आवश्यकता पड़ने पर समय-समय पर विशेषज्ञ समिति, उप समितियों तथा अध्ययन दलों का गठन करना।

6. बोर्ड के गैर-सरकारी सदस्यों को बोर्ड की बैठकों शामिल होने के लिए भारत सरकार के ग्रेड अधिकारियों को देय दरों पर यात्रा भत्ते तथा दैनिक भत्ते का भुगतान किया जाएगा।

7. भारतीय वन्यजीव बोर्ड के बारे में भारत सरकार, पर्यावरण और वन मंत्रालय (वन और वन्यजीव विभाग) के 5 जून, 1985 के संकल्प संख्या 6-1/85 एफ० आर० वाले (वन्यजीव) तथा दिनांक 25 सितम्बर, 1987 के संकल्प संख्या 6-1/85-एफ2 आर० वाले (वन्यजीव) को एनव-द्वारा रद्द किया जाता है।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक प्रति सभी संबंधितों को भेजी जाए। यह भी आदेश दिया जाता है कि जनसाधारण की जानकारी के लिए इस संकल्प को भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

र० राजामणि
सचिव

जल संसाधन मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 5 मार्च 1991

संकल्प

सं० 2/1/87-हिन्दी—सिचवाई से सम्बन्धित विषयों पर मूलतः हिन्दी में पुस्तकें लिखने के लिए प्रोत्साहन की योजना लागू करने के सम्बन्ध में भारत के राजपत्र के भाग-I, खण्ड-1 में प्रकाशित जल संसाधन मंत्रालय के 1 मार्च, 1988 के संकल्प संख्या 2/1/87-हिन्दी में एनवद्वारा निम्न-लिखित संशोधन किए जाने हैं :—

अनुच्छेद 15 में क्रमांक 4 पर तथा अनुच्छेद 16(क), में क्रमांक 7 से आगे की पंक्ति में "सहायक निदेशक (रा० भा०)" शब्दों के स्थान पर "उप निदेशक (रा० भा०)" शब्द प्रति-स्थापित किए जायें।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक-एक प्रति सभी राज्य सरकारों तथा संघ राज्य प्रशासनों एवं राज्य प्रशासनों, राष्ट्रपति सचिवालय, प्रधान मंत्री कार्यालय, मंत्रिमण्डल सचिवालय, संसदीय कार्य विभाग, लोक सभा सचिवालय, राज्य सभा सचिवालय, भारत के नियंत्रक तथा महालेखा परीक्षक और भारत सरकार के सभी मंत्रालयों/विभागों को भेज दी जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि यह संकल्प जनसाधारण की जानकारी के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

दिनांक 11 मार्च, 1991

संकल्प

सं० 14/1/89-हिन्दी—जल संसाधन मंत्रालय के लिए हिन्दी सलाहकार समिति के गठन सम्बन्धी दिनांक 3 जनवरी, 1991 के सग-संबन्धक संकल्प में निम्नलिखित संशोधन किये जाते हैं :—

क्रम सं०	के स्थान पर	पढ़ा जाए
2.	श्री विश्वेन्द्र सिंह, सदस्य (लोक सभा)	श्री नीतिश कुमार, सदस्य (लोक सभा)
6.	प्रो० एन० तोम्बो सिंह सदस्य (लोक सभा)	श्री चौधरी हरमोहन सिंह सदस्य (राज्य सभा)
29.	—	कुमार अराधना चौधरी, लेखिका— साहित्यकार, द्वारा—श्री के० एन० चौधरी, ई० सी० ई० कालोनी, ए-20, इंडस्ट्रियल एरिया, मेरठ रोड, गाजियाबाद-201001
30.	—	श्री फसल अनुराग, म्यूरो चीफ, नवभारत टाइम्स, रांची (बिहार)
31.	—	चौधरी जी० एस० धारासिंह, अध्यक्ष, केरल हिन्दी साहित्य मण्डल, मल्लन रोड, मट्टमनैरी, कोचीन-682002 (केरल)

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक-एक प्रति समिति के सभी सदस्यों, सभी राज्य सरकारों तथा संघ राज्य प्रशासनों, राष्ट्रपति सचिवालय, प्रधान मंत्री कार्यालय, मंत्रिमण्डल सचिवालय, संसदीय कार्य विभाग, लोक सभा सचिवालय, राज्य सभा सचिवालय, भारत के नियंत्रक तथा महालेखा परीक्षक और भारत सरकार के सभी मंत्रालयों/विभागों को भेज दी जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि यह संकल्प जनसाधारण की सूचना के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

अभय प्रकाश,
संयुक्त सचिव

श्रम मंत्रालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 11 मार्च 1991

संकल्प

सं० यू०-24012/6/90—आर० डब्ल्यू०—श्रम मंत्रालय के दिनांक 24 जनवरी, 1991 के संकल्प संख्या यू०-24012/1/90—आर० डब्ल्यू० के तहत पुनर्गठित तथा भारत के राजपत्र के भाग-I, खण्ड-1 में प्रकाशित राष्ट्रीय प्राचीण श्रम आयोग की अवधि इसके द्वारा 31-3-1991 से और दो महीने के लिए बढ़ाई जाती है।

तथापि, अन्य जहाँ पूर्ववत् रहेंगी।

पी० पी० साहू,
सचिव

नई दिल्ली, दिनांक 7 मार्च 1991

संकल्प

सं० 11016/30/89-राजभाषा नीति—श्रम मंत्रालय की हिन्दी मलाहकार समिति के पुनर्गठन विषयक हम मंत्रालय के तारीख 19-7-1990 के समसंख्यक संकल्प में “गैर-सरकारी सदस्य” शीर्षक के अन्तर्गत क्रमांक 27 से 29 के सामने निम्नलिखित प्रविष्टियाँ रखी जाएंगी :—

- | | |
|---|---------------------------------|
| 27. श्रीमती संध्या सिंह, लेखिका,
बरेली, उत्तर प्रदेश | } रामभाषा विभाग द्वारा
नामित |
| 28. श्री बी० बी० महाजन
भूतपूर्व सचिव (राजभाषा)
सेक्टर-10-ए, प्लॉट नं० -65,
चण्डीगढ़ । | |
| 29. श्री के० के० कृष्णन तम्बूदुरी,
भूतपूर्व अध्यक्ष, हिन्दी विभाग,
केरल विश्वविद्यालय, त्रिवेन्द्रम । | |

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस प्रस्ताव की एक-एक प्रति सभी राज्य सरकारों और संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों, प्रधान मंत्री सचिवालय, मंत्रिमंडल सचिवालय, संसदीय कार्य मंत्रालय, लोक सभा सचिवालय, राज्य सभा सचिवालय, योजना आयोग, राष्ट्रपति सचिवालय, भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक, महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व और भारत के सभी मंत्रालयों तथा विभागों एवं श्रम मंत्रालय के सभी कार्यालयों जिनमें स्थायन तथा अर्द्ध-स्थायन निकाय भी शामिल हैं, को भेजी जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को ग्राम जानकारी के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए ।

शाशि जैन,
संयुक्त सचिव

दिल्ली मंत्रालय
(आर्थिक कार्य विभाग)

नियम

नई दिल्ली, दिनांक 6 अप्रैल 1991

सं. 11013/1/90-आई. ई. एस.—निम्नलिखित सेवाओं में ग्रेड—की रिक्तियों को भरने के लिए 1991 में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा ली जाने वाली प्रतियोगिता परीक्षा के नियम आम जानकारी के लिए प्रकाशित किए जाते हैं :—

- (1) भारतीय अर्थ सेवा, और
- (2) भारतीय मॉनिटरी सेवा

2. परीक्षा परिणामों के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या आयोग द्वारा जारी किए गए नोटिस में बताई जाएगी। अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के लिए रिक्तियों का आरक्षण सरकार द्वारा यथा निर्धारित रूप में किया जाएगा ।

3. संघ लोक सेवा आयोग द्वारा यह परीक्षा इन नियमों के परिशिष्ट-1 में निर्धारित ढंग से ली जाएगी ।

परीक्षा की तारीख और स्थान आयोग द्वारा निर्धारित किए जाएंगे ।

4. उम्मीदवार :—

- (क) भारत का नागरिक, या
- (ख) नेपाल की प्रजा, या
- (ग) भूटान की प्रजा
अवश्य हो या
- (घ) ऐसा तिब्बती शरणार्थी जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से पहली जनवरी, 1962 से पहले भारत आ गया था, या
- (ङ) कोई भारत मूलक व्यक्ति, जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका, कीनिया, उगांडा, संयुक्त गणराज्य तंजानिया (भूत-पूर्व टांगानिका और जंजीबार) के पूर्वी अफ्रीकी क्षेत्रों, चाड, मालावी, जेरे, इथियोपिया और बिसताना से प्रयोजन कर आया हो ।

परन्तु (ख), (ग), (घ) और (ङ) वर्गों के अन्तर्गत आने वाले उम्मीदवार के पास भारत सरकार द्वारा जारी किया गया पात्रता (एनिलीबिलिटी) पत्र होना चाहिए ।

जिस उम्मीदवार के मामले में पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक हो उसे परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है किन्तु उसे नियुक्ति प्रस्ताव केवल तभी दिया जा सकता है जब भारत सरकार द्वारा उसे आवश्यक पात्रता प्रमाण-पत्र जारी कर दिया गया हो ।

5. (क) उम्मीदवार के लिए आवश्यक है कि उसकी आयु 1 जनवरी, 1991 को 21 वर्ष पूरी हो किन्तु 26 वर्ष न हो, अर्थात् उसका जन्म 2 जनवरी, 1963 से पहले और 1 जनवरी, 1970 के बाद का न हो ।

(ख) उपर बताई गई अधिकतम आयु सीमा में निम्नलिखित मामलों में छूट दी जाएगी :—

- (1) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो तो अधिक से अधिक 5 वर्ष ।
- (2) यदि उम्मीदवार श्रीलंका से वास्तविक या प्रत्यावर्तित होने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो, और अक्टूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद उसने भारत में प्रयोजन किया हो या करने वाला हो तो अधिक से अधिक 3 वर्ष ।
- (3) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति का हो और श्रीलंका से वास्तविक प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो तथा अक्टूबर 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर 1964 को या उसके बाद उसने भारत में प्रयोजन किया हो या करने वाला हो तो अधिक से अधिक 8 वर्ष ।

- (4) किसी दूसरे देश के साथ संबंध में या किसी अशांति-रहित क्षेत्र में फौजी कार्यवाही के दौरान विकलांग होने के फलस्वरूप सेवा से मुक्त किए गए रक्षा कर्मियों को अधिक से अधिक तीन वर्ष ।
- (5) किसी दूसरे देश के साथ संबंध में या किसी अशांति-रहित क्षेत्र में फौजी कार्यवाही के दौरान विकलांग होने के फलस्वरूप सेवा से निमृक्षित किए गए ऐसे रक्षा कर्मियों के लिए, जो अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति के हों, तो अधिक से अधिक आठ वर्ष ।
- (6) जिन भूतपूर्व सैनिकों (कमीशन प्राप्त अधिकारियों/आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालिक सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित) ने 1 जनवरी, 1991 को कम से कम 5 वर्ष की सैनिक सेवा की है और जो (1) कदाचार या अक्षमता के आधार पर बर्खास्त न हों वर अन्य कारणों से कार्यकाल के समाप्त होने पर कार्यमक्त हुए हैं। इनमें वे भी सम्मिलित हैं जिनका कार्यकाल 1 जनवरी, 1991 से एक वर्ष के अन्तर पर होना है (2) या सैनिक सेवा से हटने शारीरिक अपंगता या (3) अक्षमता के कारण कार्यमक्त हुए हैं, उनके मामले में अधिक से अधिक 5 वर्ष तक ।
- (7) जिन भूतपूर्व सैनिकों और कमीशन प्राप्त अधिकारियों (आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित) ने 1 जनवरी 1991 को कम से कम पांच वर्ष की सैनिक सेवा की है और जो अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति के हैं तथा जो कदाचार अक्षमता के आधार पर बर्खास्त न हों वर अन्य कारणों से कार्यकाल के समाप्त होने पर कार्यमक्त हुए हैं (इसमें वे भी सम्मिलित हैं जिनका कार्यकाल 1 जनवरी 1991 से एक वर्ष के अन्तर पर होना है (2) या सैनिक सेवा से हटने शारीरिक अपंगता या (2) अक्षमता के कारण कार्यमक्त हुए हैं उनके मामले में अधिक से अधिक दस वर्ष तक ।
- (8) आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों के उन मामलों में जिनमें पहले 1 जनवरी, 1991 को सैनिक सेवा के 5 वर्ष की प्रारम्भिक अवधि पूरी कर ली है और जिनका कार्यकाल 5 वर्ष से आगे भी बढ़ाया गया है तथा जिनके मामले में रक्षा मंत्रालय एक प्रमाण-पत्र जारी करता है कि वे सिविल रोजगार के लिए आवेदन कर सकते हैं और जिन पर नियुक्ति पत्र प्राप्त होने की तारीख से तीन माह के नोटिस पर उन्हें कार्यभार से मुक्त किया जाएगा, अधिकतम 5 वर्ष ।
- (9) अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति के तत्वे आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों के उन मामलों में जिनमें पहले 1 जनवरी 1991 को सैनिक सेवा के 5 वर्ष की प्रारम्भिक अवधि पूरी कर ली है और जिनका कार्यकाल 5 वर्ष से आगे भी बढ़ाया गया है तथा जिनके मामले में रक्षा मंत्रालय एक प्रमाण-पत्र जारी करता है कि वे सिविल रोजगार के लिए आवेदन कर सकते हैं और जिन पर नियुक्ति पत्र प्राप्त होने की तारीख से तीन माह के नोटिस पर उन्हें कार्यभार से मुक्त किया जाएगा, अधिकतम 10 वर्ष ।

नियम 1 : भूतपूर्व सैनिक हस्त उन व्यक्तियों पर लागू होंगे जिन्होंने समय-समय पर यथासंशोधित भूतपूर्व सैनिक (सिविल सेवा तथा पदों में पुनरायोजन) नियम, 1979 में परिभाषित किया गया है ।

नियम 2 : भूतपूर्व सैनिक जिन्होंने अपने पुनः रोजगार हेतु भूतपूर्व सैनिकों को दिए जाने वाले लाभों को लेने के बाद सिविल क्षेत्र में सरकारी नौकरी पहले ही ले ली है, ये नियमावली के नियम 5 (ब) (14) और 5 (स) (15) के अधीन आयु सीमा में छूट के लिए पात्र नहीं हैं।

उत्तर दी गई व्यवस्था को छोड़कर निर्धारित आयु सीमा में किसी भी हालत में छूट नहीं दी जा सकती ।

6. भारतीय अर्थ सेवा के लिए उम्मीदवार के पास केन्द्र या राज्य विधान मंडल के अधिनियम द्वारा निर्गमित किसी विश्वविद्यालय की या संसद के अधिनियम, 1956 द्वारा स्थापित या विश्व-विद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 की धारा 3 के अधीन विश्वविद्यालय के रूप में मान्य किसी अन्य शिक्षा संस्थाओं की अर्थशास्त्र या सांख्यिकी विषय सहित डिग्री होनी चाहिए और भारतीय सांख्यिकी सेवा के लिए उम्मीदवारों के पास सांख्यिकीय या गणित या अर्थशास्त्र सहित डिग्री अथवा उसके समकक्ष योग्यता होनी चाहिए ।

टिप्पणी 1 : यदि कोई उम्मीदवार ऐसी परीक्षा में बैठ चुका हो जिसे उत्तीर्ण कर लेने पर वह इस परीक्षा में बैठने का पात्र हो जाता है किन्तु अभी उसे परीक्षा परिणाम की सूचना न मिली हो तो ऐसी स्थिति में वह इस परीक्षा में बैठने के लिए आवेदन कर सकता है । जो उम्मीदवार इस प्रकार की अर्हक परीक्षा में बैठना चाहता हो, वह भी आवेदन कर सकता है । यदि ऐसे उम्मीदवार अन्य शर्तों परी करते हों, तो उन्हें इस परीक्षा में बैठने दिया जाएगा । परन्तु परीक्षा में बैठने की अनुमति अनन्तिम मानी जाएगी और यदि वे अर्हक परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण जल्दी में जल्दी और हर हालत में 17 जनवरी, 1992 तक प्रस्तुत नहीं करते हैं तो यह अनुमति ख़द की जा सकती है ।

टिप्पणी 2 : विशेष परिस्थितियों में मंच लोक सेवा आयोग द्वारा ऐसे किसी उम्मीदवार को भी परीक्षा में प्रवेश के योग्य माना जा सकता है जिसके पास पदोक्त योग्यताओं में से कोई भी योग्यता न हो बशर्त कि उस उम्मीदवार ने अन्य संस्थाओं द्वारा संचालित कोई ऐसी परीक्षा उत्तीर्ण की हो, जिनके स्तर को देखते हुए आयोग उसको परीक्षा में प्रवेश देने उचित समझे ।

टिप्पणी 3 : यदि कोई उम्मीदवार अन्यथा अर्हता प्राप्त करे, किन्तु उसने किसी विदेशी विश्वविद्यालय में परीक्षा प्राप्त की हो तो वह भी आयोग को आवेदन कर सकता है और आयोग यदि उचित समझे तो उसे परीक्षा में प्रवेश दे सकता है ।

7. उम्मीदवारों को आयोग के नोटिस के पैरा 6 में निर्धारित कीस गवर्नर देनी होगी ।

8. सभी उम्मीदवार जो सरकारी नौकरों में आकांक्षिक या दैनिक पर कर्मचारी से इसर स्थायी या अस्थायी होंसियत से या

कार्य-प्रभारित कर्मचारियों की हार्दिकता से काम कर रहे हैं अथवा जो सरकारी उद्यमों में कार्यरत हैं उन्हें यह परिषद् (अंडर-टॉकिंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए आवेदन किया है।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि यदि आयोग को उनके नियोक्ता से उनके उक्त परीक्षा के लिए आवेदन करने/परीक्षा में बैठने से संबंध अनुमति रोकते हुए कोई पत्र मिलता है तो उनका आवेदन पत्र अस्वीकृत/उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी।

9. परीक्षा में बैठने के लिए उम्मीदवार की पात्रता या अपात्रता के बारे में आयोग का निर्णय अंतिम होगा।

10. किसी उम्मीदवार को परीक्षा में तब तक नहीं बैठने दिया जाएगा जब तक उसके पास आयोग का प्रवेश प्रमाण-पत्र (सर्टिफिकेट आफ एडमिशन) न हो।

11. जिस उम्मीदवार ने

- (1) किसी भी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त किया हो, अथवा
- (2) नाम बदल कर परीक्षा दी है, अथवा
- (3) किसी अन्य व्यक्ति से छद्म रूप से कार्य साधन कराया है, अथवा
- (4) जानी प्रलेख या ऐसे प्रलेख प्रस्तुत किए हैं जिनमें तथ्यों में फेरबदल किया गया हो, अथवा
- (5) गलत या झूठे वक्तव्य दिए हैं या किसी महत्वपूर्ण तथ्य को छुपाया हो, अथवा
- (6) परीक्षा में उम्मीदवारी के संबंध में किन्हीं अन्य अनियमित, अथवा अनुचित उपायों का सहारा लिया है, अथवा
- (7) परीक्षा के समय अनुचित साधनों का प्रयोग किया हो, अथवा
- (8) उत्तर पुस्तिकाओं पर असंगत बातें लिखी हों जो अवलोकन भाषा में वा अभद्र भाषा की हों, अथवा
- (9) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का दुर्यवहार किया हो, अथवा
- (10) परीक्षा चलाने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान किया हो या अन्य प्रकार की शारीरिक क्षति पहुंचाई हो, अथवा
- (11) उम्मीदवारों को भेजे गए परीक्षा की अनुमति विषयक प्रमाण-पत्रों के साथ जारी अन्वेषों का उल्लंघन किया है, अथवा
- (12) पूर्वोक्त बंधों में उल्लिखित सभी अथवा किसी भी कार्य को करने या करने के लिए अवरोधित करने का प्रयास किया हो, तो उस पर आपराधिक अभियोग (क्रिमिनल प्रोसीक्यूशन) चलाया जा सकता है और उसके साथ ही उसे :—

(क) आयोग द्वारा उस परीक्षा में जिसका वह उम्मीदवार है बैठने के लिए अयोग्य ठहराया जा सकता है, अथवा

(ख) उस स्थायी रूप अथवा एक विशेष अवधि के लिए

(1) आयोग द्वारा ली जाने वाली किसी भी परीक्षा अथवा चयन से

(2) केन्द्रीय सरकार द्वारा अपने अधीन किसी भी नौकरी से अपवर्जित किया जा सकता है, और

(ग) यदि वह सरकार के अधीन पहले से ही सेवा में है तो उसके विरुद्ध उपयुक्त नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्रवाई की जा सकती है।

किन्तु शर्त यह है कि इस नियम के अधीन कोई शास्ति तब तक नहीं दी जाएगी जब तक :—

(1) उम्मीदवार को इस संबंध में लिखित अभ्यावेदन, जो वह देना चाहिए प्रस्तुत करने का अवसर न दिया गया हो; और

(2) उम्मीदवार द्वारा अनुमत समय में प्रस्तुत अभ्यावेदन पर, यदि कोई हो विचार न कर लिया गया हो।

12. जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा में उतने न्यूनतम अंक अंक प्राप्त कर लेगा जिसने आयोग अपने निर्णय से निश्चित करे तो उसे आयोग व्यक्ति परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए बुलाएगा।

किन्तु शर्त यह है कि यदि आयोग के मतानुसार अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों, इन जातियों के लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए सामान्य स्तर के आधार पर पर्याप्त संख्या में व्यक्ति परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए नहीं बुलाए जा सकेंगे तो आयोग द्वारा स्तर में ढील देकर अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों को व्यक्तिगत परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए बुलाया जा सकता है।

13. (1) साक्षात्कार के बाद आयोग प्रत्येक उम्मीदवार द्वारा लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार में अंतिम रूप से प्राप्त कुल अंकों के आधार पर योग्यता क्रम से उम्मीदवारों की सूची बनाएगा और उसी क्रम से उन उम्मीदवारों में से जिन्हें आयोग योग्य समझेगा उनकी उन अनारक्षित रिक्तियों पर नियुक्ति के लिए अनुशांसा करेगा जिन्हें इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरा जाना है।

(1.1) किसी भी अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों को, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या तक स्तर में छूट देकर आयोग द्वारा उनकी अनुशांसा की जा सकती है बशर्त कि ये उम्मीदवार सेवा में चयन के लिए उपयुक्त हों।

बशर्त कि अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति के जिस उम्मीदवार की इस उप नियम में उल्लिखित छूट दिए बिना आयोग द्वारा अनुशांसा की गई हो उन्हें अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित रिक्तियों पर समायोजित नहीं किया जाएगा।

14. प्रत्येक उम्मीदवार की परीक्षाफल की सूचना किस रूप में और किस प्रकार दी जाए, इसका निर्णय आयोग स्वयं करेगा, आयोग परीक्षाफल के बारे में किसी भी उम्मीदवार से पत्राचार नहीं करेगा।

15. यदि कोई उम्मीदवार दोनों सेवाओं के लिए प्रतियोगिता परीक्षा में बैठ रहा हो तो उम्मीदवार द्वारा अपना आवेदन-पत्र बतें समय व्यक्त किए गए वरीयता क्रम पर उचित रूप से विचार किया जाएगा।

जिन सेवाओं के लिए उम्मीदवार विचार किए जाने के इच्छुक थे उन सेवाओं के लिए उनके द्वारा दशाए गए शरीरगत क्रम में परिवर्तन से संबंध किसी भी अनुरोध को तब तक स्वीकार नहीं किया जाएगा जब तक ऐसा अनुरोध लिखित परीक्षा के परिणामों की "रोजगार समाचार" में प्रकाशन की तारीख से 30 दिन के भीतर संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में प्राप्त नहीं हो जाता।

16. परीक्षा में पास हो जाने से नियुक्ति का अधिकार तब तक नहीं मिलता, जब तक कि सरकार आवश्यक जांच के बाद संतुष्ट न हो जाए कि उम्मीदवार चरित्र तथा पूर्ववृत्त की दृष्टि से इस सेवा में नियुक्ति के लिए हर प्रकार से योग्य है।

17. उम्मीदवार को मानसिक और शारीरिक दृष्टि से स्वस्थ होना चाहिए और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष नहीं होना चाहिए जिससे संबंधित सेवा के अधिकारी के रूप में अपने कर्तव्य को कुशलतापूर्वक न निभा सके। यदि सरकार या नियुक्ति प्राधिकारी जैसी भी स्थिति हो, द्वारा निर्धारित डाक्टरों की परीक्षा के दौरान किसी उम्मीदवार के बारे में यह पाया जाए कि वह इन अपेक्षाओं को पूरी नहीं कर सकता तो नियुक्ति नहीं की जाए। व्यक्तित्व परीक्षण के लिए आयोग द्वारा बुलाए गए उम्मीदवारों की स्वास्थ्य परीक्षा करायी जा सकती है।

टिप्पणी :—कहीं निराश न होना पड़े इसलिए उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन-पत्र भेजने से पहले सिविल सर्जन के स्तर के किसी सरकारी चिकित्सा अधिकारी से अपनी जांच करवा लें। नियुक्ति से पहले उम्मीदवार की किस प्रकार की डाक्टरों की जांच होगी और उसके स्वास्थ्य का स्तर किस प्रकार का होना चाहिए, इसके बारे में इन नियमों के परिशिष्ट-3 में दिए गए हैं। रक्षा सेवाओं के भूतपूर्व विकलांग हुए तथा उसके फल-स्वरूप निर्मुक्त हुए सैनिकों को सेवाओं की आवश्यकताओं के अनुरूप डाक्टरों की जांच के स्तर में दी जाएगी।

18. जिस व्यक्ति ने

(क) ऐसे व्यक्ति से विवाह या विवाह का अनुबंध किया हो, जिसका पहले जीवित पति/पत्नी हो, या

(ख) जीवित पति/पत्नी के रहते हुए, किसी व्यक्ति से विवाह या विवाह का अनुबंध किया है, तो वह उक्त सेवा में नियुक्ति के लिए पात्र नहीं माना जाएगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से संतुष्ट हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति तथा विवाह के दूसरे पक्ष पर लागू होने वाले वैयक्तिक कानून के अनुसार स्वीकार्य है और ऐसा करने के अन्य कारण भी हैं तो वह किसी भी व्यक्ति को इस नियम से छूट दे सकती है।

19. इस परीक्षा के माध्यम से जिन सेवाओं के संबंध में भर्ती की जा रही है उनका संक्षिप्त विवरण परिशिष्ट में दिया गया है।

अनुपम कूलश्रेष्ठ, निदेशक

परिशिष्ट I

यह परीक्षा निम्नलिखित योजना के अनुसार संचालित होगी।

भाग I — नीचे दिखाए गए विषयों में एक लिखित परीक्षा जिसके पूर्णांक 900 होंगे।

भाग 1—आयोग द्वारा जिन उम्मीदवार को बुलाया जाता है, उनके लिए मौखिक परीक्षा इस परिशिष्ट की अनुसूची का भाग (क) देखिए जिसके पूर्णांक 250 होंगे।

2. भाग I के अन्तर्गत लिखित परीक्षा में सम्मिलित विषय प्रत्येक विषय के प्रश्नपत्र के लिए निर्धारित पूर्णांक और समय का विवरण इस प्रकार है :—

क्रम सं०	विषय	कोड सं०	अधिकतम अंक	दिया गया समय
(क) भारतीय अर्थ सेवा				
1.	सामान्य अंग्रेजी	01	150	3 घंटे
2.	सामान्य अध्ययन	02	150	3 घंटे
3.	सामान्य अर्थ शास्त्र-I		200	
	भाग-I	03 50 अंक		
	भाग-I	एक घंटा		
	भाग-II	04 150 अंक	भाग-II	3 घंटे
		2 घंटे		
4.	सामान्य अर्थशास्त्र-II	200		
	भाग-I	05 50 अंक	भाग-I : 1 घंटा	
	भाग-II	06 150 अंक	भाग-II : 2 घंटे	3 घंटे
5.	भारतीय अर्थशास्त्र		200	
	भाग-I	07 50 अंक	भाग-I : 1 घंटा	
	भाग II	08 150 अंक	भाग II : 2 घंटे	3 घंटे

विशेष ध्यान :—उपर्युक्त क्रम सं. 3 से 5 तक के विषयों के प्रश्न-पत्रों के मामले में यदि कोई उम्मीदवार निर्धारित समय के भीतर परीक्षा भवन में नहीं पहुंचता है और प्रश्न-पत्र के भाग की परीक्षा में प्रवेश नहीं ले पाता है तो वह उक्त प्रश्न-पत्र के भाग में प्रवेश का पात्र नहीं होगा।

(ख) भारतीय सांख्यिकी सेवा

1.	सामान्य अंग्रेजी	01	150	3 घंटे
2.	सामान्य अध्ययन	02	150	3 घंटे
3.	सांख्यिकी-I	09	200	3 घंटे
4.	सांख्यिकी-II	10	200	3 घंटे
5.	सांख्यिकी-III	11	200	3 घंटे

नोट 1—सामान्य अंग्रेजी सामान्य अध्ययन विषयों पर प्रश्न-पत्र में केवल वस्तुपूरक प्रश्न पूछे जाएंगे।

नोट 2—भारतीय अर्थ सेवा के उपर्युक्त क्रमांक 3 से 5 के विषयों से संबंधित प्रश्न-पत्र के भाग में केवल वस्तुपूरक प्रश्न पूछे जाएंगे और इन विषयों के प्रश्न-पत्रों के भाग में संक्षिप्त उत्तर और निबन्ध वाले प्रश्न पूछे जाएंगे।

नोट 3—भारतीय सांख्यिकी सेवा के क्रमांक 3 से 4 विषयों के प्रश्न-पत्रों में केवल वस्तुपूरक प्रश्न पूछे जाएंगे और क्रमांक 5 से संबंधित प्रश्न-पत्र में निबन्ध वाला प्रश्न पूछा जाएगा।

नोट 4—अन्य विवरण के लिए, जिसमें विभिन्न विषयों के प्रश्न-पत्रों में पूछे जाने वाले वस्तुपूरक प्रश्न भी शामिल हैं, नोटिस के अनुबन्ध 2 पर उम्मीदवारों की सूचनार्थ विवरणिका देखिए।

नोट 5—उपर्युक्त विषयों के स्तर और पाठ्यक्रम इस परिशिष्ट की अनुसूची के भाग 'क' में दिए गए हैं।

3. सभी प्रश्न-पत्रों को उस्तु अंग्रेजी में लिखने चाहिए। प्रश्न-पत्र केवल अंग्रेजी में होंगे।

4. उम्मीदवारों को प्रश्न-पत्रों के उत्तर अपने हाथ से लिखने होंगे। उन्हें किसी भी हालत में उत्तर लिखने के लिए किसी अन्य व्यक्ति को सहायता लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

5. आयोग अपने निर्णय से परीक्षा के किसी एक या सभी विषयों के अंक अंक निर्धारित कर सकता है।

6. यदि किसी उम्मीदवार को लिखावट आसानी से पढ़ने लायक न हों तो उसके मिलने वाले कुछ अंकों में से कुछ काट लिए जाएंगे।

7. केवल सही ज्ञान के लिए कोई अंक नहीं दिए जाएंगे।

8. कम से कम छद्मों में सुव्यवस्थित, प्रभावशाली और सही ढंग से की गई अभिव्यक्ति का श्रेय दिया जाएगा।

9. प्रश्न-पत्रों में जहाँ आवश्यक हो तालों और मापों की केवल मीट्रिक प्रणाली से संबंधित प्रश्न पूछे जाएंगे।

10. उम्मीदवारों को परम्परागत (निबंधात्मक) प्रकार के प्रश्न-पत्रों के लिए बटूरी से चलने वाले पाकेट कैलकुलेटर परीक्षा भवन में लाने और उनका प्रयोग करने की अनुमति है। परीक्षा भवन में किसी से कैलकुलेटर मांगने या आपस में बदलने की अनुमति नहीं है।

यह ध्यान रखना भी आवश्यक है कि उम्मीदवार बस्तुपूरक प्रश्न-पत्र (परीक्षा पुस्तिका) का उत्तर देने के लिए कैलकुलेटरों का प्रयोग नहीं कर सकते। अतः वे इन्हें परीक्षा भवन में न लाएं।

11. उम्मीदवारों को प्रश्न-पत्रों के उत्तर लिखते समय भारतीय अंकों के अंतराष्ट्रीय रूप (अर्थात् 1, 2, 3, 4, 5, 6 आदि) का ही प्रयोग करना चाहिए।

अनुसूचित भाग 'क'

सामान्य अंग्रेजी और सामान्य अध्ययन के प्रश्न-पत्र किसी भारतीय विश्वविद्यालय के ग्रेजुएट से अपेक्षित स्तर के होंगे। अन्य विषयों के प्रश्न-पत्र संबंधित विषयों में किसी भारतीय विश्वविद्यालय की मास्टर डिग्री परीक्षा के समकक्ष होंगे। उम्मीदवार से यह अपेक्षा की जाती है कि वे सिद्धान्त को तथ्यों के आधार पर स्पष्ट करें और सिद्धान्त की सहायता से समस्याओं का विश्लेषण करें। अर्थशास्त्र और सांख्यिकी के क्षेत्र (क्षेत्रों) में उनसे आशा की जाती है कि वे भारतीय समस्याओं से विशेष रूप से परिचित हों।

सामान्य अंग्रेजी (कोड सं. 01)

प्रश्न इस प्रकार पूछे जाएंगे जिससे उम्मीदवारों को अंग्रेजी समझने और अंग्रेजी शब्दों का कुशल प्रयोग करने की क्षमता की जांच हो सके।

सामान्य अध्ययन (कोड सं. 02)

सामान्य अध्ययन के प्रश्न-पत्र में वर्तमान घटनाक्रम की जानकारी शामिल होगी और कुछ ऐसे मामले भी होंगे जो दैनिक निरीक्षण और अनुभव से संबंधित और जिनको वैज्ञानिक दृष्टिकोण से एक पढ़ा-लिखा आवामी समझ सकता है। इस प्रश्न-पत्र में भारत के इतिहास और भूगोल से संबंधित प्रश्न भी होंगे जिसका स्तर उच्च विशेष अध्ययन के बिना ही उम्मीदवार देख सके।

सामान्य अर्थशास्त्र (भाग 1 के लिए कोड सं. 03 और भाग 1 के लिए 04 भाग 2)

उपभोक्ता की मांग का सिद्धान्त तदस्था, क्र., विश्लेषण प्रकट अधिमानता अभिगम।

उत्पादन का सिद्धान्त, उत्पादन के तत्त्व, उत्पादन कुल्य, प्रतिफल के नियम, प्रतिष्ठान और उद्योग का संतुलन।

मूल्य का सिद्धान्त विपणन व्यवस्था के विभिन्न रूपों में मूल्य निर्धारण सार्वजनिक उपयोगिता मूल्यन।

वितरण का सिद्धान्त : उत्पादन के तत्वों का मूल्यन, भाड़ा मजदूरी व्याज और लाभ के सिद्धान्त, विशाल वितरण सिद्धान्त, संकलन समस्या आय वितरण में असमानताएं।

कल्याण मूलक अर्थशास्त्र : प्राचीन और नवीन कल्याण मूलक अर्थशास्त्र, क्षतिपूर्ति, नियम, क्षतिमूलक ग्रंथियां :—

राष्ट्रीय आय की अवधारणा : सामाजिक सेवा, नियोजन का सिद्धान्त निषेज और मुद्रास्फिति, शास्त्रीय और नवशास्त्रीय अभिगम नियोजन के बारे में कीन्स का सिद्धान्त और कीन्स के भाव की गतिविधियां।

सामान्य अर्थशास्त्र II (भाग I के लिए कोड सं. 05 और भाग II के लिए 06)

वार्थिक विकास की अवधारणा और उसका मापन-विकास के सिद्धान्त।

विकासशील देशों के लक्षण और उनकी समस्याएं। जनसंख्या वृद्धि और वार्थिक विकास।

आयोजन, अवधारणा और पद्धतियां :—वार्थिक संगठन की पूंजीवादी और समाजवादी प्रणालियों के अन्तर्गत आयोजन मिश्रित अर्थ व्यवस्था में आयोजन, परिष्कृत आयोजन, क्षेत्रीय आयोजन, निवेश के निर्धारण और प्रविधियों का चयन।

अन्तराष्ट्रीय अर्थशास्त्र : अन्तराष्ट्रीय व्यापार के सिद्धान्त, व्यापार से लाभ, व्यापार की शर्तें व्यापार नीति, अन्तराष्ट्रीय व्यापार और वार्थिक विकास व्यापार शुल्क पद्धति के सिद्धान्त।

भूगतान संतुलन : भूगतान संतुलन में असमानताएं समंजन की प्रक्रिया विदेश व्यापार, विनियम की दर, आयात और निर्यात नियंत्रक।

आई. एम. एफ. और अन्तराष्ट्रीय मूद्रण सुधार : जी. ए. टी. टी. वार्थिक विकास के लिए अन्तराष्ट्रीय सहायता, आई. बी. आर. डी. और उसके अनुबन्ध।

मूद्रा : उसका मूल्य और प्रयोजन, मूद्रा नीति, केन्द्रीय और वाणिज्यिक बैंकों के कार्य।

राजवित्तीय नीति और उसके लक्ष्य : कराधान और व्यय के सिद्धान्त सार्वजनिक व्यय के लक्ष्य और परिणाम, कराधान का प्रभाव, और घटन-घाटे की वित्त व्यवस्था, सार्वजनिक ऋण का सिद्धान्त।

अर्थशास्त्र सांख्यिकी का प्रयोग, सांख्यिकीय औसत और विचलन के माप और परिणामों के सूचकांक उनकी सीमाएं।

भारतीय अध्यासत्र (भाग 1 के लिए काष्ठ)

मं. 07 और भाग 2 के लिए 08)

भारतीय अध्यासत्र के अनुयायी लक्षण—विकास तंत्र—कृषि और उद्योग की भूमिका—विदेश व्यापार की भूमिका—सामुदायिक विकास का अवधारण ।

आयोजन : उद्देश्य, प्राथमिकताएं और समस्याएं—पंच-वर्षीय योजनाएं—साधन संपादन की समस्या ।

कृषि : नया कृषि तंत्र—भू-संयोजन और भू-सुधार—इहाता शिक्षा 'संचाई' और उर्वरकों का स्थान—कृषि विपणन—कृषि उत्पादों के मूल्य—फसल आयोजन—सामुदायिक विकास—उपजीविका और ग्रामीण ।

सहकारिता : ग्रामीण विकास में इनका स्थान—भारत में सहकारिता आन्दोलन का विकास ।

उद्योग : औद्योगिक विकास का व्युत्पन्न—स्थल निर्देश का समस्या—वृद्धाकार और लघु उद्योगों का समर्थन—औद्योगिक नीति—औद्योगिक संपदाएं—औद्योगिक वित्त की संसाधन—विवेशी पूंजी की भूमिका—सार्वजनिक उद्यम : संगठन, प्रबंध नियंत्रण और समर्थनयता, मूल्य नीति ।

श्रम : राजगार, बराजगार और कम राजगारी—औद्योगिक संबंध और श्रम कल्याण—श्रम नीति—मजदूरी, मूल्य और आय नीति ।

विदेश व्यापार : भारत के विदेशी व्यापार का प्रमुख विशय—विदेशी व्यापार नीति—राज्य व्यापार—भुगतान संतुलन ।

मुद्रा और बैंकिंग : भारतीय मुद्रण विपणन का संगठन—बाणिज्यिक बैंक और भारतीय रिजर्व बैंक की कार्यप्रणाली—मुद्रा नीति ।

सार्वजनिक वित्त : वित्तीय नीति—सार्वजनिक व्यय की वृद्धि—कराधान नीति—सघ और राज्य सरकारों के लिए राजस्व के प्रमुख स्रोत—सार्वजनिक ऋण नीति—घाटे की वित्त व्यवस्था—सघ और राज्य के बीच वित्तीय संबंध ।

सांख्यिकी—1 (काष्ठ सं. 09)

नोट : केवल वस्तुपूरक (बहु-विकल्पक) प्रश्न के प्रश्न पूछे जाएंगे

प्रायिकता (40 प्रतिशत प्रधानता) माप सिद्धान्त के तत्व—प्रासिद्ध परिभाषाएं और स्वयं सिद्ध अभिगम—प्रतिदर्श अवकाश सकुल और सकलित प्रायिकता के नियम—घटनाओं की प्रायिकता—प्रतिबंधित प्रायिकता के नियम—घटनाओं की प्रायिकता—प्रतिबंधित प्रायिकता—बेयस का प्रमेय—असंयोगिता विचारण—विरल और अविरल—वितरण कार्य—मानक प्रायिकता वितरण—बर्नली, समरूप, द्विपक्षीय, पाइसन, ज्यामितीय, आयत, धातीय सामान्य, काशी, पराज्याह मिस्तीय, बहुपक्षीय, लालेस, श्रृण्द्विपक्षीय, बीटा, गामा, लघुसामान्य तथा सकलित पाइसन वितरण—अभिसरण, वितरण में, प्रायिकता में और प्रायिकता एक के साथ और माध्य वर्ग में—अगर्जन और संचायक—गणितीय अपेक्षा और प्रतिबंध अपेक्षा—लक्षणात्मक फलन और आधुन्य तथा प्रायिकता जनक फलन—बिलाम बिलक्षणता और सात सिद्धांत—टकोवहक और कोलमोगोरोव असमानताएं—बहुसंख्या नियम और स्वतंत्र विचारणों के लिए केंद्रीय सीमा सिद्धांत ।

सांख्यिकीय पद्धतियां (40 प्रतिशत प्रधानता)

तन्त्रा का संग्रह, सकलन और प्रस्तुतीकरण—घाट, आयशाम और हिस्टोग्राम—आवात वितरण—नदशन, विक्षपण और विषमता का माप द्विचर और बहुचर तन्त्र—साहचर्य और आसग—वक समजन और लॉक बहुपद—वचर वितरण—द्विचर सामान्य वितरण समाश्रय रक्षाय बहुपद—सहसंबध गुणांक का वितरण—आंशिक और बहुल सहसंबध अतर्गीय सह-संबध—सहसंबध अनुपात ।

मानक त्रुटियां और बृहत प्रातदश—परीक्षण प्रातदश वितरण S, T, X वग और—एक—इन पर आधारित प्रमुखता परीक्षण—गर—परासिद्ध परीक्षण—साइन, मीडियम, रन, विल-कोवसन, मनावटना, ब्लाइड बल्कावदृज आदि—बरीयता क्रम सांख्यिकी—अल्पतम, अधिकतम, रेंज और मीडियम ।

आकृति का विश्लेषण (15 प्रतिशत प्रधानता)

लाभ रेंज, न्यूटन-गगरी न्यूटन (विभाजित अन्तर), गस और स्टीलिंग पर प्रचलित अक्रावशन सूत्र (शेष सभावना साह्य)—धूलर मस्लारिन का—संकलन सूत्र—विलोम अन्तर्वसन—आकृति का समाकलन और अवकलन—प्रथम गुणांक का विभेद समाकरण—स्थिर गुणकों के साथ एक धातीय विभेद समाकरण—

सांख्यिकी—II (काष्ठ सं. 10)

नोट : केवल वस्तुपूरक (बहु-विकल्पक) प्रकार के प्रश्न पूछे जाएंगे

एकाधातीय प्रातमान (25 प्रतिशत प्रधानता)

एक धातीय आकलन का सिद्धान्त—गस माकोफ प्रातिष्ठान—कानिष्ठ वग आकलन—बी—विलोम का प्रयाग—एक तरफा और व तरफा वगीकृत तन्त्र का विश्लेषण—निश्चित, मिश्रित और याट्टीक प्रभाव वाल प्रातमान—समाश्रयण गुणांक के लिए परीक्षण—

आकलन (25 प्रतिशत प्रधानता)

अच्छ आकलन के लक्षण—आत्याधिक सभावना, कनिष्ठ वी वग आधुन्य और कनिष्ठ वर्गों की आकलन पद्धतियां—अत्याधिक सभावना आकलन—क्रेमर राव असमानता—भट्टाचार्य परिसीमाएं—पयोप्त आकलन गुणन खड प्रमेय—सम्पूर्ण आंकड़े—राव—ब्लैकावेल प्रमेय—विश्वास अंतकाल आकलन—इष्टतम विश्वास परिसीमाएं ।

परिकल्पना परीक्षण (25 प्रतिशत प्रधानता)

सरल और जटिल परिकल्पना—दो प्रकार का त्रुटिया—अतिरिक्त क्षेत्र—विभिन्न प्रकार के अतिरिक्त क्षेत्र—धातु फलन—अत्यन्त प्रभावशाली और समान रूप से अत्यन्त प्रभावशाली परीक्षण नमन, परिसन आधार-भूत—अनाभनत परीक्षण—स्थालीपु लाक परीक्षण—सभावना अनुपात परीक्षण—वाल्ट का SPRT-OC- और ASN फलन—निर्णय के प्राथमिक तत्व और खल सिद्धांत ।

बहुचर विश्लेषण (25 प्रतिशत प्रधानता)

बहुचर सामान्य वितरण—मध्य प्रसारक का आकलन और सहकारिता व्युह—हाटलिंग का स्थितिक—महलनाथिस का

स्थातक—बहुचर सामान्य जनसंख्या के प्रतिदर्श में आंशिक और बहुल सहसंबध गुणांक—विशेष का वितरण उसका अति-रूपणात्मक और अन्य स्वभाव—विल्क का निष्कर्ष—विवेचनात्मक फलन—प्रमुख घटक—नियमानुसार विचार और सहसंबध ।

सांख्यिकी- III (कोड सं. 11)

नोट :—केवल निबंध शैली के प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें सूचीय और जटिल निरूपण आवश्यक न हों।

भाग 'क' (सब के लिए अनिवार्य)

प्रतिवर्ष विधियाँ (35 प्रतिशत प्रधानता)

जनगणना बनाम प्रतिवर्ष सर्वेक्षण—प्रारम्भिक और विस्तृत प्रतिवर्ष सर्वेक्षण—प्रतिस्थापन के साथ या उसके बिना सरल या दीर्घकालिक प्रतिचयन और प्रतिदर्श आबंटन—लागत और विचरण कलन—आकलन की आनुपातिक और समाश्रयी पद्धतियाँ—आकार के समानुपात में प्राधिकता सहित प्रतिचयन—संकुल दुहरा बहुरूपी बहुस्तरीय और व्यवस्थित प्रतिचयन—अन्तःप्रदेशीय प्रतिचयन—प्रतिचयनोत्तर त्रुटियाँ।

अर्थ सांख्यिकी (25 प्रतिशत प्रधानता)

समय श्रणी के घटक—उनके निर्धारण की विधियाँ—विचरण विभेद पद्धति—थूल स्लस्की प्रमाण—सहसंबंध चित्र—प्रथम और द्वितीय क्रम के स्वयं समाश्रमयी प्रतिदर्श—समाश्रि चित्र का विश्लेषण—मूल्यों और परिणामों के सूचकांक और उनके सापेक्ष गुण—भोक और बुद्धरा मूल्यों के सूचकांक की रचना—आय वितरण—पैरिटों और इंगेल बक्र—एकाग्रता वक्र—राष्ट्रीय आय का आकलन करने की पद्धतियाँ—संज्ञांतर प्रवाह—अन्तराष्ट्रियक तालिका।

भाग (ख)

उम्मीदवारों का निम्नांकित विषयों में से किसी भी विषय पर प्रश्नों के उत्तर देकर का विकल्प है।

(1) सांख्यिकीय गुण नियंत्रण और परिचालन अनुसंधान (40 प्रतिशत प्रधानता)

विचारों और गुणों के लिए विभिन्न प्रकार के नियंत्रक चित्र—गुणों के द्वारा स्वीकृति प्रतिचयन—एकल द्वंद्व, बहुल और शृंखलामूलक प्रतिचयन योजनाएँ—

OC और ASN—फलन—AOQL और AT की धारण—विचार के द्वारा स्वीकृति प्रतिचयन—डाइज रॉमिक और अन्य तालिकाओं का प्रयोग।

परिचालन अनुसंधान का अभिगम—रेशागत कार्यापन के प्राथमिक तत्व—सिप्लेक्स प्रतिक्रिया—परिवहन और नियोजन समस्याएँ—इष्टतात्मकता का नियम—एकल और बहुल आवधिक सूची नियंत्रण के नमूने विश्लेषण रेखा प्रतिदर्श के लक्षण—M/M ABLLC नमूने आम नकली की समस्याएँ—नष्ट या क्षीण होने वाले तत्वों के प्रतिस्थापन के नमूने।

(2) जनसांख्यिकी और जन्म-मरण आंकड़े (40 प्रतिशत प्रधानता)

जीवन तालिका, उसका निर्माण और लक्षण—मेकहम और गामपट्स वक्र—राष्ट्रीय जीवन तालिकाएँ—राष्ट्र संघ की जीवन तालिकाओं के नमूने—संक्षिप्त जीवन तालिकाएँ—स्थिर और स्थायी जनसंख्या—विभिन्न जन्म गतियाँ—कुल प्रजनन गतियाँ—कुल और निवल उत्पादन गतियाँ—विभिन्न मरण गतियाँ—मानकीकृत मरण गति—आंतरिक और अन्तर्राष्ट्रीय प्रजनन—निबत प्रजनन अन्तर्राष्ट्रीय और जनगणनोत्तर आकलन—वृद्धि धात्री वक्र सांजन सहित प्रक्षेपण विधियाँ—भारत में दशाब्दीय जनगणना।

(3) प्रयोग रूप कल्पना और विश्लेषण (40 प्रतिशत प्रधानता)

प्रयोग रूप कल्पना के नियम—पूरा रूप से या दीर्घकाल बनाए गए आँकड़िक बंड और रैंडम चोक अभिकल्पों का विन्यास और विश्लेषण—क्रमगणित प्रयोग और 2² और 3³ प्रयोगों में संभूम—बंड और उपबंड अभिकल्प—संतुलित और अर्ध-संतुलित अरपूर्ण वर्ग अभिकल्पों की रचना और विश्लेषण—सहचारित का विश्लेषण—लाविकेतर तथ्यों का विश्लेषण लुप्त और मिश्रित ब्यूह के तथ्यों का विश्लेषण।

(4) अर्थसांख्यिकी (40 प्रतिशत प्रधानता)

उपभोक्ता मांग का सिद्धान्त और विश्लेषण—मांग फलन का विश्लेषणीकरण और आकलन—मांग की लोच—संरचना और नमूना—एकल समीकरण शैली में प्राचलों का आकलन—परम्परागत अल्पतम वर्ग, साधारणीकृत अल्पतम वर्ग-विप्रवेयता क्रमागत सहसंबंध—बहुल समरक्षीयता—विचार प्रतिदर्श में त्रुटियाँ—समकालिक समीकरण प्रतिदर्शतात्मकता, वरीयता क्रम और क्रमण परिस्थितियाँ—परीक्षा अल्पतम वर्ग और दो स्तरीय अल्पतम वर्ग—अन्यकालिक आर्थिक भविष्य कथन।

भाग ख

सांख्यिक परीक्षा

उम्मीदवारों के साक्षात्कार सुयोग्य और निष्पक्ष विद्वानों के बाबू द्वारा किया जाएगा जिनके सामने उम्मीदवार का सर्वोपेक्ष जीवनवृत्त होगा। साक्षात्कार का उद्देश्य यह है कि इस सेवा के लिए व्यक्ति की दृष्टि से उम्मीदवार उपयुक्त है अथवा नहीं उम्मीदवारों से आशा की जाएगी कि वे केवल अपने दिखाने के विशेष विषयों में ही सुझ-बुझ के साथ रुचि न लेते हों, अपितु उन घटनाओं में भी रुचि लेते हों, जो उनके चारों ओर अपने राज्य या देश के भीतर और बाहर घट रही हैं तथा आधुनिक विचारधाराओं और उन नई खाजों में रुचि ले जिनके प्रति एक मुशिक्षित व्यक्ति में जिज्ञासी उत्पन्न होती है।

साक्षात्कार महज जिरह की प्रक्रिया नहीं, अपितु स्वाभाविक निर्देशन और प्रयोजन मुक्त वार्तालाप की प्रक्रिया है, जिसका उद्देश्य उम्मीदवारों के मानसिक गुणों और समस्याओं को समझने का व्यक्ति को अभिव्यक्त करना है। बोर्ड द्वारा उम्मीदवारों को मानसिक सतर्कता, आलोचनात्मक ग्रहण शक्ति, संतुलित निर्णय और मानसिक मत्कर्ता, सामाजिक संगठन की योग्यता, चारित्रिक ईमानदारी, नेतृत्व की पहल और क्षमता के मूल्यांकन पर विशेष बल दिया जाएगा।

परिशिष्ट—II

इस परीक्षा के द्वारा जिन सेवाओं में भर्ती की जा रही है, उनका संक्षिप्त व्यंजक :

1. जो उम्मीदवार दोनों में से किसी भी सेवा के लिए सफल होंगे, उनकी नियुक्ति उस सेवा के ग्रेड-4 में परिवीक्षा के आधार पर की जाएगी जिसकी अवधि दो वर्ष होगी और इस अवधि को घटया भी जा सकता है। सफल उम्मीदवारों की परिवीक्षा की अवधि में भारत सरकार के निर्णयानुसार निर्धारित प्रशिक्षण या पाठ्यक्रम और शिक्षण तथा परीक्षा पास करनी होगी।

2. यदि सरकार की राय में किसी परिवीक्षाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण संतोषजनक न हो या उसे बेवश हो जाए उसकी कार्यकुशलता की संभावना न हो, तो सरकार उसे तत्काल सेवा-मुक्त कर सकती है।

3. परिवीक्षा की अवधि या उसकी बढ़ाई हुई अवधि की समाप्ति पर यदि सरकार की राय में उम्मीदवार स्थायी नियुक्ति के लिए योग्य नहीं है तो सरकार उसे सेवा मुक्त कर सकती है।

4. यदि सरकार की राय में उम्मीदवार ने संतोषजनक रूप से अपनी परिवीक्षा अवधि समाप्त कर ली है, और यदि वह स्थायी नियुक्ति के लिए उपयुक्त समझा जाए तो उसे स्थायी पदों में मौलिक रिक्तियाँ उपलब्ध होने पर पक्का कर दिया जाएगा।

5. जिन सेवाओं के लिए भर्ती की जाती है उनके लिए निर्धारित वेतनमान निम्न प्रकार है :—

(क) भारतीय अर्थ सेवा

एस० ए० जी० आर्थिक सहायकार/

[अपर आर्थिक सहायकार 5900-200-6700 रु०

ग्रेड-I निदेशक

(ग्रेड-II जब से ग्रेड-I में शामिल हुआ है) 3700-125-4700-150
5000 रु०

ग्रेड-III उप-निदेशक

3000-100-3500-125-
4500 रु०

ग्रेड-IV सहायक निदेशक

2200-75-2800-रु०
रु०-100-4000 रु०

(ख) भारतीय सांख्यिकी सेवा

उच्च प्रशासनिक ग्रेड (7300-7600 रु०.)

वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (5900-6700 रु०.)

कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (3700-5000 रु०.)

(4500-5700 रु०. के वेतनमान में नान-फंक्शनल वजन ग्रेड सहित)

वरिष्ठ समय वेतनमान (3000-4500 रु०.)

कनिष्ठ समय वेतनमान (2200-4000 रु०.)

6. उक्त सेवा के अगले ग्रेड— में पदोन्नति समय-समय पर यथासंशोधित भारतीय अर्थ सेवा/भारतीय सांख्यिकीय सेवा नियमों के उपबंधों के अनुसार की जाएगी।

भारतीय अर्थ सेवा/भारतीय सांख्यिकीय सेवा के अधिकारी को केन्द्रीय सरकार के अंतर्गत भारत में कहीं भी या भारत के बाहर कार्य करने के लिए नियुक्त किया जा सकता है अथवा उनकी किसी राज्य सरकार या गैर-सरकारी संगठन में निर्दिष्ट अवधि के लिए प्रतिनियुक्ति पर भेजा जा सकता है।

7. दोनों सेवाओं के अधिकारियों की सेवा की शर्तों तथा छुट्टी तथा पेंशन इत्यादि अन्य केन्द्रीय सिविल सेवाओं ग्रुप "क" के सदस्यों पर लागू होने वाले नियमों द्वारा शासित होंगे।

8. भविष्य निधि की शर्तें वृद्धि हैं जो सामान्य भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवाएं) नियमावली में उल्लिखित हैं किन्तु ऐसे संशोधनों की शर्त के साथ जो समय-समय पर सरकार द्वारा किए जाएं।

परिशिष्ट-III

उम्मीदवारों की शारीरिक परीक्षा के बारे में विनियम

ये विनियम उम्मीदवारों की सुविधा के लिए प्रकाशित किए जाते हैं ताकि वे यह अनुमान लगा सकें कि वे अपेक्षित शारीरिक स्तर के हैं या नहीं? ये विनियम स्वास्थ्य परीक्षकों (मैडिकल एग्जामिनर्स) के मार्ग निवेशन के लिए भी हैं।

भारत सरकार को स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड की रिपोर्ट पर विचार करके उसे स्वीकार या अस्वीकार करने का पूर्ण अधिकार होगा।

1. नियुक्ति के लिए स्वस्थ ठहराए जाने के लिए यह जरूरी है कि उम्मीदवार का मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य ठीक हो और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष न हो जिससे नियुक्ति के बाद दक्षतापूर्वक काम करने में बाधा पाने की संभावना हो।

2. भारतीय (एंग्लो-इंडियन सहित) जाति के उम्मीदवारों की आयु कद और छाती के घेरे के परस्पर संबंध के बारे में मैडिकल बोर्ड के ऊपर यह बात छोड़ दी गई है कि वह उम्मीदवार को परीक्षा में मार्गदर्शन के रूप में जो भी परस्पर संबंध के अंक नमूने अधिक उपयुक्त समझे व्यवहार में लाएँ। यदि वजन, कद और छाती के घेरे में विषमता हो तो जांच के लिए उम्मीदवार को अस्पताल में रहना चाहिए और छाती का एक्स-रे लेना चाहिए। ऐसा करने के बाद ही उम्मीदवार को स्वस्थ अथवा अस्वस्थ घोषित करेंगे।

3. उम्मीदवार का कद निम्नलिखित विधि में मापा जाएगा— वह अपने जूते उतार देगा और उस मापवण्ड (स्टैन्डर्ड) से, इस प्रकार सटा कर सड़ा किया जाएगा कि उसके पांव आपस में जुड़े रहें और उसका वजन सिवाय एंडियों के पांवों की उंगलियों या किसी और हिस्से पर न पड़े। वह बिना अकड़ें सीधा सड़ा होगा और उसकी एंडियां, पिछलियां, नितम्ब और कंधे मापवण्ड के साथ लगे होंगे। उसकी ठोड़ी नीची रखी जाएगी ताकि सिर का स्तर (बटॉमस आफ द हर्ड लंदेल) हारिजेंटल बार (आड़ी छड़) के नीचे आ जाए। कद सेंटीमीटरों और साधे सेंटीमीटरों में मापा जाएगा।

4. उम्मीदवार की छाती मापने का तरीका इस प्रकार है— उसे इस भांति सड़ा किया जाएगा ताकि उसके पांव जुड़े हों और उसकी भुजाएँ सिर से ऊपर उठी हों। फीते को छाती के गिर्ब इस तरह लगाया जाएगा कि पीछे की ओर इसका ऊपरी किनारा असफलक (शोल्डर ब्लैड) के निम्न कोणों (इन्फेरियर एंगलस) से लगा और फीते को छाती के गिर्ब ले जाने पर उसी आड़े समतल (हारिजेंटल प्लेन) में रहे। फिर भुजाओं को नीचा किया जाएगा और उन्हें शरीर के साथ लटका रहने दिया जाएगा किन्तु इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि कंधे ऊपर या पीछे की ओर न किए जाएं ताकि फीता अपने स्थान से हट न पाये। तब उम्मीदवार को कई बार गहरा सांस लेने के लिए कहा जाएगा और छाती का अधिक से अधिक फैलाव गौर से नोट किया जाएगा और कम से कम और अधिक से अधिक फैलाव सेंटीमीटर में रिकार्ड किया जाएगा, 84-89, 86-93 आदि। माप का रिकार्ड करते समय आधे सेंटीमीटरों में कम से कम के भिन्न (फ्रैक्शन) को नोट नहीं करना चाहिए।

नोट :—अंतिम निर्णय करने से पूर्व उम्मीदवार का कद और छाती दो बार नापने चाहिए।

5. उम्मीदवार का वजन भी किया जाएगा और उसका वजन किलोग्रामों में रिकार्ड किया जाएगा। आधे किलोग्राम से कम के फ्रैक्शन को नोट नहीं करना चाहिए।

6. (क) उम्मीदवार की नजर की जांच निम्नलिखित नियमों के अनुसार की जाएगी। प्रत्येक जांच का परिणाम रिकार्ड किया जाएगा।

(ख) धर्म के बिना नजर (नेकेड आइ) विजन की कोई न्यूनतम सीमा (मिनिमम लिमिट) नहीं होगी, किन्तु प्रत्येक मामले में, मैडिकल बोर्ड या अन्य मैडिकल अधिकारों द्वारा इसे रिकार्ड

किया जाएगा क्योंकि इससे आंख की हालत के बारे में मूल सूचना (बैसिक इन्फार्मेशन) मिल जाएगी।

(ग) चश्मे के साथ चश्मे के बिना दूर और नजदीक की नजर का मानक निम्नलिखित होगा :—

दूर की नजर		नजदीक की नजर	
अच्छी आंख (ठीक की हुई दृष्टि)	खराब आंख	अच्छी आंख (ठीक की हुई दृष्टि)	खराब आंख
6/9	6/9		
	या		
6/9	6/12	जे०-I	जे०-II

दृष्टि संबंधी अन्य अपेक्षाओं की पूर्ति करता हो

(घ) मायोपिया फण्डस के प्रत्येक मामले में परीक्षा की जानी चाहिए और उसके परिणाम रिकार्ड किए जाने चाहिए। यदि उम्मीदवार की ऐसी रोगात्मक वधा हो जो कि बढ़ सकती है और उम्मीदवार की कार्यकुशलता पर प्रभाव डाल सकती है तो उसे अयोग्य घोषित किया जाए।

(ङ) दृष्टि क्षेत्र में सभी सेवाओं के लिए सम्पूर्ण विधि (कन्फर्टेशन मैथड) द्वारा दृष्टि क्षेत्र की जांच की जाएगी। जब ऐसी जांच का नतीजा असंतोषजनक या संदिग्ध हो तब दृष्टि क्षेत्र को पेरामीटर पर निर्धारित किया जाना चाहिए।

(च) रतींधी (नाइट ब्लाइन्डनेस)—साधारणतया रतींधी दो प्रकार की होती है (1) विटामिन "ए" की कमी के कारण और (2) रेटिना के शरीर रोग के कारण जिसकी आम वजह रेटिनिट्स पिंग्मेंटोसा होती है। उपर्युक्त (1) में फंडस की स्थिति सामान्य होती है साधारणतया छोटी आयु वाले व्यक्तियों और कम खुराक पाने वाले व्यक्तियों में दिखाई देती है और अधिक मात्रा में विटामिन "ए" के खाने से ठीक हो जाती है। ऊपर बताई गई (2) की स्थिति में फंडस प्रायः होती है और अधिकांश मामलों में केवल फण्डस की परीक्षा से ही स्थिति का पता चलता है। इस रोगी का रोगी ग्रीव होता है और खुराक की कमी से पीड़ित नहीं होता है। सरकार में उंची नौकरियों के लिए प्रयत्न करने वाले व्यक्ति इस वर्ग से आते हैं। उपर्युक्त (1) और (2) दोनों के लिए अंधेरा अनकूलन परीक्षा में स्थिति का पता चल जाएगा। उपर्युक्त (2) के लिए विशेषतया जब फंडस न हो तो इलेक्ट्रोरेटिनोग्राफी किए जाने की आवश्यकता होती है, इन दोनों जांचों (अंधेरा अनकूलन और रेटिनोग्राफी) में समय अधिक लगता है और विशेष प्रबंध और सामान की आवश्यकता होती है। इसीलिए साधारण चिकित्सा जांच से इसका पता संभव नहीं है। इन तकनीकी बातों को ध्यान में रखते हुए मंत्रालय/विभाग को चाहिए कि वे बताएं कि रतींधी के लिए इन जांचों का करना अनिवार्य है या नहीं। यह इस बात पर निर्भर होगा कि जिन व्यक्तियों को सरकारी नौकरी दी जाने वाली है उनके कार्य की अपेक्षाएं क्या हैं और उनकी ड्यूटी किस तरह की होगी।

(छ) दृष्टि की तीक्ष्णता से भिन्न आंख की अवस्थाएं (वाक्य-मय कंडीशन) :—

- (1) आंख की उस बीमारी को या बलती है अपवर्तन त्रुटि (प्रोग्रेसिव रिएक्टिव एरर) का जिसके परिणामस्वरूप दृष्टि की तीक्ष्णता के कम होने की संभावना हो अयोग्यता का कारण समझा जाना चाहिए।

(2) भंगापन (स्क्रियट) : तकनीकी सेवाओं में जहां दृष्टि-नेत्री (आइडनोक्लर) दृष्टि अनिवार्य हो दृष्टि की तीक्ष्णता निर्धारित स्तर की होने पर भी भंगापन को अयोग्यता का कारण समझना चाहिए। दृष्टि की तीक्ष्णता निर्धारित स्तर की होने पर भंगापन को अन्य सेवाओं के लिए अयोग्यता का कारण नहीं समझना चाहिए।

(3) एक आंख : यदि किसी व्यक्ति की एक आंख अथवा यदि उसकी एक आंख की दृष्टि सामान्य हो और दूसरी आंख की मन्द दृष्टि हो अथवा अप सामान्य दृष्टि हो तो उसका प्रभाव प्रायः यह होता है कि व्यक्ति में गहरा बोध होतू त्रिविम दृष्टि का अभाव होता है। इस प्रकार की दृष्टि कई सिविल पदों के लिए आवश्यक नहीं है। इस प्रकार के व्यक्तियों को चिकित्सा बोर्ड योग्य मानकर अनुशंसित कर सकता है। वशतः कि सामान्य आंख :

(i) को दूर की दृष्टि 6/6 और निकट की दृष्टि जे. 1 का चश्मा लगाकर अथवा उसके बिना हो बचते कि दूर की दृष्टि के लिए किसी मैरिडियन में त्रुटि 4 डायोप्टर से अधिक न हो।

(ii) की दृष्टि का परा क्षेत्र हो।

(iii) की सामान्य रंग दृष्टि जहां अपेक्षित हो।

इन्होंने कि बोर्ड का यह समाधान हो जाए कि उम्मीदवार उन्मोचन कार्य विशेष से संबंधित सभी कार्यकलापों का निष्पादन कर सकता है।

(ज) कान्टैक्ट लेंस—उम्मीदवार की स्वास्थ्य परीक्षा के समय कान्टैक्ट लेंस के प्रयोग की आज्ञा नहीं होगी। यह आवश्यक है कि आंख की जांच करने समय दूर की नजर के लिए टाइट किए गए अक्षरों का उद्भासन 15 फुट की ऊंचाई के प्रकाश में हो।

7 ब्लड प्रेशर

ब्लड प्रेशर के सम्बन्ध में बोर्ड अपने निर्णय से काम लेगा। नार्मल उच्चतम सिस्टोलिक प्रेशर के आकलन की कामचलाऊ निधि नीचे दी जाती है :—

- (1) 15 से 25 वर्ष के युवा आयु से अधिक व्यक्तियों में औसत ब्लड प्रेशर लगभग 100 जमा आय होता है।
- (2) 25 वर्ष से ऊपर आय वाले व्यक्तियों में ब्लड प्रेशर के आकलन करने में 110 में आधी आय जोड़ देने का तरीका बिल्कुल संतोषजनक दिखाई पड़ता है।

ध्यान दें :—सामान्य नियम के रूप में 140 एम.एम. के ऊपर के सिस्टोलिक प्रेशर की और 90 एम.एम. से ऊपर डायस्टोलिक प्रेशर को संदिग्ध मान लेना चाहिए और उम्मीदवार को योग्य/अयोग्य ठहराने के संबंध में अपनी अंतिम राय देने से पहले बोर्ड को चाहिए कि उम्मीदवार को अस्पताल में रखें। अस्पताल की रिपोर्ट में यह पता लगाना चाहिए कि चक्रवात (एक्सासिटमेंट) आदि के कारण ब्लड प्रेशर वृद्धि थोड़ी समय रहती है या उसका कारण कोई कायिक (आर्गनिक) बीमारी है? ऐसे सभी केसों में तब तक की एक्स-रे और विरल हृदयलेकी (इलेक्ट्रो कार्डियोग्राम) परीक्षाएं और रक्त यूरिया निकोस (किनेयूरैम) की जांच भी लेनी चाहिए। फिर भी उम्मीदवार के योग्य होने या न होने के बारे में अंतिम फैसला केवल चिकित्सक बोर्ड ही करेगा।

नसब प्रेशर (रक्त दाब) लेने का तरीका

नियमित पारे वाले दाबातरोमापी (मर्करी मेनोमीटर) किस्म का उपकरण (इन्स्ट्रूमेंट) इस्तेमाल करना चाहिए। किसी किस्म के व्यायाम या चबराहट के बाद पन्द्रह मिनट तक रक्त दाब नहीं लेना चाहिए। रोगी बैठा या ज़ोटा हो बशर्ते कि वह और विशेषकर उसकी भुजा क्षिपिल और आराम से हो। कुछ हार्जेंटल स्थिति में रोगी के पार्श्व पर भुजा को आराम से सहारा दिया जाए। भुजा दर से कन्धों तक कपड़े उतार देने चाहिए। कफ में से पूरी तरह हवा निकाल कर बीच की खंड को भुजा के अन्दर की ओर रखकर और इसके नीचे किनारे की कोहनी के मोड़ से एक या दो इंच ऊपर करके लगाना चाहिए। इसके बाद कपड़े की बट्टी को फाँलाकर समान रूप से लपेटना चाहिए ताकि हवा भरने पर कोई हिस्सा फूलकर बाहर को न निकले।

कोहनी के मोड़ पर प्रगड़ धमनी (बैकजल आर्टरी) को दबा-दबाकर ढूँढा जाता है तब तक इसके ऊपर बीचों-बीच स्टेथोस्कोप को हल्के से लगाया जाता है जो कफ के साथ न लगे। कफ में लगभग 200 एम.एम.एच.जी. हवा भरी जाती है और इसके बाद इसमें से धीरे-धीरे हवा निकाली जाती है। हल्की श्रमिक ध्वनि सुनाई पड़ने पर जिस स्तर पर पारे का काम टिका होता है वह सिल्यालिक प्रेशर दर्शाता है। अब और हवा निकाली जाएगी तो ध्वनियाँ तेज सुनाई पड़ेंगी। जिस स्तर पर वे साफ और अच्छी सुनाई पड़ने वाली ध्वनियाँ हल्की दबी हुई सी लुप्त प्रायः हो जाएँ, वह डायस्टालिक प्रेशर है। ब्लड प्रेशर काफी थोड़ी अवधि में ही ले लेना चाहिए। क्योंकि कफ के लम्बे समय का दबाव रोगी के लिए क्षोभकार होता है और इससे रीडिंग गलत हो जाती है। यदि दोबारा बड़ताल करनी जरूरी हो तो कफ में से पूरी हवा निकाल कर कुछ मिनट के बाद ही ऐसा किया जावे। (कभी-कभी कफ में से हवा निकालने पर एक निश्चित स्तर पर ध्वनियाँ सुनाई पड़ती हैं, दाब गिरने पर वे गायब हो जाती हैं और निम्न स्तर पर पुनः प्रकट हो जाती हैं) इस साइलेंट गैप से रीडिंग में गलती हो सकती है।

8. परीक्षक की उपस्थिति में ही किए गए मूत्र की परीक्षा की जाती चाहिए और परिणाम रिकार्ड किया जाना चाहिए। अब मेडिकल बोर्ड की किसी उम्मीदवार के मूत्र में रासायनिक जाँच द्वारा शक्कर का पता चले तो बोर्ड इसके अन्य सभी पहलुओं की परीक्षा करेगा और मधुमेह (डायबिटीज) के शोतक चिन्हों और लक्षणों को भी विशेष रूप से नोट करेगा। यदि बोर्ड उम्मीदवार को ग्लूकोजमेह (ग्लूकोसूरिया) के सिवाए, अपेक्षित मेडिकल फिटनेस के स्टैंडर्ड के अनुरूप पाए तो वह उम्मीदवार को इस शर्त के साथ फिट घोषित कर सकता है कि ग्लूकोजमेह अमधुमेहों (नॉन डायबिटिक) हो और बोर्ड कैसे को मेडिसिन के किसी ऐसे निर्दिष्ट विशेषज्ञ के पास भेजेगा जिसके पास अस्पताल और प्रयोगशाला की सुविधाएँ हों, मेडिकल विशेषज्ञ स्टैंडर्ड ब्लड शुगर टालरेंस टेस्ट समेत जो भी क्लिनिक या लैबोरेटरी परीक्षा जरूरी सबूतों करेगा और अपनी रिपोर्ट मेडिकल बोर्ड को भेज देगा जिस पर मेडिकल बोर्ड की "फिट" या "अनफिट" का अन्तिम राय आधारित होगी। दूसरे अवसर पर उम्मीदवार के लिए बोर्ड के सामने स्वयं उपस्थित होना जरूरी नहीं होगा और बाध के प्रभाव को समाप्त करने के लिए यह जरूरी हो सकता है कि उम्मीदवार को कई दिन तक अस्पताल में पूरी देख-रेख में रखा जाए।

9. यदि जांच के परिणामस्वरूप कोई महिला उम्मीदवार 12 हफ्ते या उससे अधिक समय की गर्भवती पाई जाती है तो उसको अस्थायी रूप से तब तक अस्वस्थ घोषित किया जाय 3-161/91

चाहिए जब तक कि उसका प्रसव न हो जाए। किसी रजिस्टर्ड मेडिकल प्रैक्टिशनर से अरोग्यता का प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने पर, प्रसूति की तारीख से 6 हफ्ते बाद आरोग्य प्रमाणपत्र के लिए उसकी फिर से स्वास्थ्य की परीक्षा की जानी चाहिए।

10. निम्नलिखित अतिरिक्त बातों का प्रेक्षण करना चाहिए :—

(क) उम्मीदवार को दोनों कानों से अच्छा सुनाई पड़ता है या नहीं और कान की बीमारी का कोई चिह्न है या नहीं। यदि कान की कोई खराबी हो तो उसकी परीक्षा कान विशेषज्ञ द्वारा की जानी चाहिए। यदि सुनने की खराबी का इलाज शल्य क्रिया (आपरेशन) या हियरिंग एड के इस्तेमाल से हो सके तो उम्मीदवार को इस आधार पर अयोग्य घोषित नहीं किया जा सकता बशर्ते कि कान की बीमारी बढ़ने वाली न हो। चिकित्सा परीक्षा प्राधिकारी के मार्ग दर्शन के लिए इस सम्बन्ध में निम्नलिखित मार्गदर्शक जानकारी दी जाती है :—

1. एक कान में प्रकट जबकि दूसरे कान में बहुरापन दूसरा कान सामान्य होगा।

2. दोनों कानों में बहुरापन का प्रत्यक्ष बोध जिसमें श्रवण शक्ति (हियरिंग एड) द्वारा कुछ सुधार संभव हो।

3. तटुल जबकि माजिनल टाइप के टिमपेनिक मेम्बरेन में छिद्र

यदि उच्च फ्रीक्वेंसी में बहुरापन 30 डेसीबल तक हो तो गैर-तकनीकी काम के लिए योग्य।

यदि 1000 से 4000 तक की स्पीच फ्रीक्वेंसी में बहुरापन 30 डेसीबल तक हो तो तकनीकी तथा गैर-तकनीकी दोनों प्रकार के काम के लिए योग्य हैं।

(1) एक कान सामान्य हो दूसरे कान में टिमपेनिक मेम्बरेन में छिद्र हो तो अस्थायी आधार पर अयोग्य।

कान की शल्य-चिकित्सा की स्थिति सुधारने के दोनों कानों में माजिनल या अन्य छिद्र वाले उम्मीदवारों को अस्थायी रूप से अयोग्य घोषित करके उस पर नीचे दिए गए नियम 4(ii) के अग्रिम विचार किया जा सकता है।

(2) दोनों कानों में माजिनल या एटिक छिद्र होने पर अयोग्य

(3) दोनों कानों में तटुल छिद्र होने पर अस्थायी रूप से अयोग्य।

4. कान के एक ओर से/दोनों ओर से मस्टायड केबिटी से तबस बार्मस श्रवण

(1) किसी एक कान के सामान्य रूप से एक ओर से मस्टायड केबिटी से सुनाई देता हो, दूसरे कान में सबनार्मल श्रवण वाले कान/मस्टायड केबिटी होने पर तकनीकी तथा गैर-तकनीकी दोनों प्रकार के कार्यों के लिए योग्य।

(2) दोनों ओर से मस्टायड केबिटी तकनीकी काम के लिए अयोग्य यदि किसी भी कान की श्रवणता श्रवणयंत्र लगाकर जबकि बिना लगाए सुधार कर 30 डेसीबल हो जाने पर गैर-तकनीकी कार्यों के लिए योग्य।

8. बहरी रहने वाला कान आपरेशन किया या/बिना आपरेशन वाला तकनीकी तथा गैर-तकनीकी दोनों प्रकार के कानों के लिए अस्थायी रूप से अयोग्य ।
9. नासापट की हड्डी संबंधी/विसमताओं (बोनी डिफार्मिटी) सहित अथवा (उससे रहित नाक की जीर्ण प्रदाहक/एलर्जिक दशा (1) प्रत्येक मामले में परिस्थितियों के अनुसार निर्णय लिया जाएगा ।
(2) यदि लक्षणों सहित नासापट अफसरण विद्यमान हो तो अस्थायी रूप से अयोग्य ।
7. टॉसिलस ग्रोर/या स्वर यंत्र (लैरिक्स) की जीर्ण प्रदाहक दशा । (1) टॉसिलस ग्रोर/या स्वर यंत्र (लैरिक्स) की जीर्ण प्रदाहक दशा-योग्य ।
(2) यदि आवाज में अत्यधिक कर्कशता विद्यमान हो तो अस्थायी रूप से अयोग्य ।
8. कान, नाक, गले (ई० एन० टी०) के हल्के अथवा अपने स्थान पर दुर्दम्य ट्यूमर (1) हल्का ट्यूमर—अस्थायी रूप से अयोग्य
(2) दूर ट्यूमर—अयोग्य ।
9. आस्ट्रेक्लिरोसिस श्रवण यंत्र की सहोप्यता से या आपरेशन के बाद श्रवणता 30 डेसीबल के अन्दर होने पर योग्य ।
10. कान, नाक अथवा गले के जन्म-जात दोष । (1) यदि काम काज में बाधक हो तो योग्य ।
(2) भारी मात्रा में हकलाहट हो तो अयोग्य ।
11. नेजल पोलि । अस्थायी रूप से अयोग्य ।
- (ख) उम्मीदवार बोलने में हकलाता/हकलाती नहीं हो ।
- (ग) उसके दांत अच्छी हालत में हैं या नहीं, और अच्छी तरह चबाने के लिए जरूरी होने पर नकली दांत लगे हैं या नहीं (अच्छी तरह भरे हुए दांतों को ठीक समझा जाएगा) ।
- (घ) उसकी छाती की बनावट अच्छी है या नहीं और छाती काफी फूलेती है या नहीं उसका दिल या फेफड़े ठीक हैं या नहीं ।
- (ङ) उसे पेट की बीमारी है या नहीं ।
- (च) उसे रूचर है या नहीं ।
- (छ) उसे हाईड्रोसिल, बड़ी हुई बेरिकांसिल, बेरिका-जिशरा (बन) या बवासीर हैं या नहीं ।
- (ज) उसके अंगों, हाथों और पैरों की बनावट और विकास अच्छा है या नहीं और उसकी ग्रंथियां भली-भांति स्वतंत्र रूप से हिलती हैं या नहीं ।
- (झ) उसे कोई चिरस्थायी त्वचा की बीमारी है या नहीं ।
- (व) कोई जन्मजात कुरचना या दोष है या नहीं ।
- (ट) उसमें किसी उग्र या जीर्ण बीमारी के निशान हैं या नहीं जिससे कमजोर गठन का पता लगे ।
- (ठ) कारगर टीके के निशान हैं या नहीं ।
- (ड) उसे कोई संचारी (कम्यूनिकेबल) रोग है या नहीं ।

11. दिल और फेफड़ों की किसी ऐसी विलक्षणता का लगाने के लिए जो साधारण शारीरिक परीक्षा से ज्ञात न हो, सभी मामलों में पूर्ण रूप से छाती की एक्स-रे परीक्षा की जानी चाहिए ।

सरकारी सेवा के लिए उम्मीदवार के स्वास्थ्य के सम्बन्ध में जहाँ कहीं संदेह हो चिकित्सा बोर्ड का अध्यक्ष उम्मीदवार के योग्यता अथवा अयोग्यता का निर्णय किए जाने के प्रश्न पर किस उपयुक्त अस्पताल के विशेषज्ञ से परामर्श कर सकता है। उसे यदि किसी उम्मीदवार पर मानसिक त्रुटि अथवा विषयन (एबरेशन) से पीड़ित होने का संदेह होने में बोर्ड का अध्यक्ष अस्पताल में किसी मनोविज्ञान विज्ञानी/मनोवैज्ञानी से परामर्श कर सकता है ।

जब कोई रोग मिले तो उसे प्रमाण-पत्र में अवश्य ही नोट किया जाए । मेडिकल परीक्षक को अपनी राय लिख देनी चाहिए कि उम्मीदवार से अपेक्षित दक्षतापूर्ण ड्यूटी में इससे बाधा पड़ने की संभावना है या नहीं ।

12. मेडिकल बोर्ड के निर्णय के विरुद्ध अपील करने वाला उम्मीदवार को भारत सरकार द्वारा निर्धारित विधि के अनुसार रु. 50/- का अपील शुल्क जमा करना होता है । यह शुल्क केवल उन उम्मीदवारों को वापस मिलेगा जो अपीलीय स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड द्वारा योग्य घोषित किए जाएंगे शेष दूसरों के बारे में यह जप्त कर लिया जाएगा । यदि उम्मीदवार चाहे तो अपने आरोप होने के दावे के समर्थन में स्वस्थता प्रमाण-पत्र संलग्न कर सकेंगे । उम्मीदवारों को प्रथम स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड द्वारा भेजे गए निर्णय के 21 दिन के अन्दर अपील पेश करनी चाहिए । अन्य अपीलीय स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड द्वारा दूसरी स्वास्थ्य परीक्षा लिए अनुरोध स्वीकार नहीं किया जाएगा । अपीलीय स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड द्वारा स्वास्थ्य परीक्षा केवल नई दिल्ली में हो और स्वास्थ्य परीक्षा के सम्बन्ध में की गयी यात्रा के लिए को यात्रा भत्ता या दैनिक भत्ता नहीं दिया जाएगा । अपीलों निर्धारित शुल्क के साथ प्राप्त होने पर अपीलीय स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड द्वारा की जाने वाली स्वास्थ्य परीक्षा के प्रबंध के लिए वि मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) अथवा योजना मंत्रालय (सांख्यिक विभाग) जैसी भी स्थिति हो द्वारा आवश्यक कार्यवाई जाएगी ।

मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट

मेडिकल परीक्षक के मार्गदर्शन के लिए निम्नलिखित सूच दी जाती है :—

शारीरिक योग्यता (फिटनेस) के लिए अपनाए जाने वाले स्टैंडर्ड में संबंधित उम्मीदवार की आयु और सेवा काल यह हो, के लिए उचित गुंजाइश रखनी चाहिए ।

किसी ऐसे व्यक्ति को पब्लिक सर्विस में भर्ती के लिए यो नहीं समझा जाएगा जिसके बारे में यथास्थिति सरकार नियुक्ति प्राधिकारी (अपॉइंटिंग अथॉरिटी) को यह तसल्ली न होगी कि उसे ऐसी कोई बीमारी या शारीरिक दुर्बलता (बाडि इनफॉर्मिटी) नहीं है जिससे वह उस सेवा के लिए अयोग्य हो उसके अयोग्य होने की संभावना हो ।

यह बात समझ लेनी चाहिए कि योग्यता का प्रश्न भविष्य भी उलना ही सम्बन्ध है जितना कि वर्तमान से है और मेडिकल परीक्षा का एक मुख्य उद्देश्य निरन्तर कारगर सेवा प्राप्त कर और स्थायी नियुक्ति के उम्मीदवार के मामले में अकाल म होने पर समय पूर्व पेंशन या अव्ययियों को रोकना है ।

यह भी नोट कर लिया जाए कि जहाँ प्रश्न निरन्तर कारगर सेवा की संभावना का है और उम्मीदवार को अस्वीकृत करने की जगह उम्र हालत में नहीं दी जानी चाहिए जबकि उम्र में कोई अड़स हा जो केवल बहुत कम स्थितियों में निरन्तर कारगर सेवा में बाधक पाया गया हो।

बोर्ड में सामान्यतः तीन सदस्य होंगे (1) एक कार्य चिकित्सक (2) एक शल्य चिकित्सक और (3) एक मंत्र चिकित्सक। ये भी यथासंभव साध्य समान स्तर के हाने चाहिए। पहिला उम्मीदवार की परीक्षा के लिए किसी लेडी डाक्टर को बोर्ड के सदस्य के रूप में सहयोजित किया जाएगा।

भारतीय अर्थ सेवा/भारतीय सांख्यिकी सेवा उम्मीदवारों को भारत में और भारत से बाहर क्षेत्र सेवा (फोल्ड सर्विस) करनी होगी। इस प्रकार के किसी उम्मीदवार के मामले में मेडिकल बोर्ड को इस बारे में अपनी राय विशेष रूप से रिकार्ड करनी चाहिए कि उम्मीदवार क्षेत्र सेवा (फोल्ड सर्विस) को छोड़े है या नहीं। डाक्टरों बोर्ड की रिपोर्ट को गोपनीय रखना चाहिए।

ऐसे मामलों में जबकि कोई उम्मीदवार सरकारी सेवा में नियुक्ति के लिए अयोग्य करार दिया जाता है तो मोटे तौर पर उसके अस्वीकार किए जाने के आधार उम्मीदवार को बताए जा सकते हैं। किन्तु डाक्टरों बोर्ड ने जो सराफी बताई है उसका विस्तृत ज़ोरा नहीं दिया जा सकता।

ऐसे मामलों में जहाँ डाक्टरों बोर्ड का यह विचार है कि सरकारी सेवा के लिए उम्मीदवार को अयोग्य बताने वाली छांटो-गांटो सराफी चिकित्सकी (आपथ या शल्य) द्वारा दूर हो सकती है वह डाक्टरों बोर्ड द्वारा इस आणय का कथन रिकार्ड किया जाना चाहिए। नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा इस बारे में उम्मीदवार को बोर्ड की राय सूचित किए जाने में कोई आपत्ति नहीं है और जब वह सराफी दूर हो जाए तो दूसरे डाक्टरों बोर्ड के समने उस व्यक्ति को उपस्थित होने के लिए कहने में संबंधित अधिकारी स्वतन्त्र हैं।

यदि कोई उम्मीदवार अस्थायी तौर पर 'अयोग्य' करार दिया जाए तो द्वारा परीक्षा की अवधि साधारणतया कम से कम 6 महीने से कम नहीं होनी चाहिए। निश्चित अवधि के बाद जब द्वारा परीक्षा हो तो ऐसे उम्मीदवार को और आगे की अवधि के लिए अस्थायी तौर पर अयोग्य घोषित न कर नियुक्ति के लिए उनकी योग्यता के संबंध में अथवा वह इस नियुक्ति के लिए अयोग्य हैं ऐसा निर्णय अन्तिम रूप से दिया जाना चाहिए।

(क) उम्मीदवार का कथन और घोषणा

अपनी मेडिकल परीक्षा से पूर्व उम्मीदवार को निम्नलिखित पोषित स्टेटमेंट देनी चाहिए और उसके साथ लगी हुई घोषणा (डिक्लरेशन) पर हस्ताक्षर करने चाहिए। नीचे दिए गए नोट में उल्लिखित चेतावनी की ओर उम्मीदवार को विशेष रूप से ध्यान दिया जाना चाहिए।

1. अपना पूरा नाम लिखें (साफ अक्षरों में)
2. अपनी आयु और जन्म स्थान बतायें
3. (क) क्या अनुसूचित जाति या गोरखा, गढ़वाली, असमिया, नागालैण्ड जनजाति आदि में से किसी जाति से संबंधित हैं जिसका औसत कद दूसरों से कम होता है 'हां' या 'नहीं' में उत्तर दीजिए। उत्तर 'हां' में है तो उम्र जाति का नाम बताइए।

(ख) क्या आपका कभी चंचक, रुक-रुक कर हाने वाला या कोई दूसरा बमर, ग्रिथिया (ग्लाइस) का बढ़ना या इनमें पीप पड़ना, थक में डूब जाना, दमा, दिल का बीमारी, फफुओं की बीमारी, मूछों के दौर, रूमेटिज्म, एपिडिमोइटिस हुआ है।

कथना

(ख) दूसरी कोई बीमारी या दुर्घटना, जिसके कारण शय्या पर लटके रहना पड़ा है और जिसका मेडिकल या सर्जिकल इलाज किया गया हो, हुआ है ?

4. क्या आपका अधिक काम या दूसरी किसी कारण से किसी कियन की अक्षरता (नवमकन) हुई है ?

5. अपना परिवार के संबंध में निम्नलिखित ब्योरे दें :—

याद पिता जीवित	मृत्यु के समय	आपके कितने भाई	आपके कितने भाईयों
होता उनका आयु	पिता का आयु	जीवित है, उनको	की मृत्यु हो चुकी है
और स्वास्थ्य का	और मृत्यु का	आयु और स्वास्थ्य	उनकी आयु और
अवस्था	कारण	की अवस्था	मृत्यु का कारण

याद माता जीवित	मृत्यु के समय	आपकी कितनी	आपकी कितनी बहनों
होती थी उनकी आयु	माता की आयु	जीवित हैं, तो मृत्यु हो चुकी है	
और स्वास्थ्य का	और मृत्यु का	उनकी आयु और	मृत्यु के समय उनकी
अवस्था	कारण	स्वास्थ्य का अवस्था	आयु और मृत्यु का कारण

6. क्या इसके पहले मेडिकल बोर्ड ने आपकी परीक्षा की है ?

7. यदि उपर के प्रश्न का उत्तर 'हां' में हो तो बताइए, किस सेवा/किन सेवाओं के लिए आपकी परीक्षा की गई थी।

8. परीक्षा लने वाला प्राधिकारी कौन था ?

9. कब और कहाँ मेडिकल बोर्ड हुआ ?

10. मेडिकल बोर्ड की परीक्षा का परिणाम यदि आपको बताया गया हो अथवा आपका मालूम हो।

में घोषित करता है कि जहाँ तक मेरा विश्वास है, उपर दिए गए सभी जवाब सहा और ठीक हैं।

उम्मीदवार के हस्ताक्षर

मेरे सामने हस्ताक्षर किए

बोर्ड के अध्यक्ष के हस्ताक्षर

नोट :—उपयुक्त कथन का यथार्थता के लिए उम्मीदवार जिम्मेदार होगा। जानबूझ कर किसी सूचना को छिपाने से वह नियुक्ति से बैठने की जोखिम लेगा और यदि वह नियुक्त हो भी जाए तो वार्धक्य निवृत्ति भत्ता (सुपर एनएशन अलाउंस) या उपदान (ग्रेज्यूटी) के सभी दावों से हाथ धो बैठेगा।

(उम्मीदवार का नाम) की शारीरिक परीक्षा को मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट

1. सामान्य विकास अच्छा बीच का कम कम पोषण : पतला औसत मोटा कद जूते उतारकर बजान अत्यंत कमजोर कब था ?

वजन में कोई हाल ही में हुआ परिवर्तन
 तापमान
 छाती का घेरा

(1) पुरुष सांस बीजने पर

(2) पुरुष सांस निकालने पर

2. त्वचा कोई भीहरी बीमारी

3. नेत्र

(1) कोई बीमारी

(2) इतनीही

(3) कलर विजन का बोध

(4) दृष्टि नेत्र (फील्ड ऑफ विजन)

(5) दृष्टि तीक्ष्णता (विजुअल एक्वीटी)

(6) फण्डस की जाँच

दृष्टि की चरम के बिना चरम से चरम की क्षमता
 की क्षमता

गोस वर्तुल एक्सिस

दूर की नजर दा० ने०

बा० ने०

पास की नजर दा० ने०

बा० ने०

4. कान की निरीक्षण सुनना
 बायाँ कान बायाँ
 कान

5. श्रृंखला धातु

6. दांतों की हालत

7. श्वसन तंत्र (रिस्पिराटोरी सिस्टम)—क्या शारीरिक परीक्षा करने पर सांस के अंगों में से किसी असमानता का पता लगा है? यदि पता लगा है तो असमानता का पूरा ब्यौर दें।

8. परिसंचरण तंत्र (सर्कुलेटोरी सिस्टम)

(क) हृदय : कोई आंगिक गति (आंगीयनिक मोजन) गति (स्टे) —

बड़े होने पर

25 बार कुदाए जाने पर
 कुदाए जाने के 2 मिनट बाद

(ख) रक्त प्रवाह सिस्टोलिक
 डायस्टोलिक

9. उदर (पेट) : घेरा त्वचास ह्यता
 हुनिया :—

(क) दबा कर मालूम पड़ना/लिबर
 तिस्ली
 हृदय

(ख) रक्तार्श
 भगवर

10. तांत्रिक तंत्र (नर्वे सिस्टम) तांत्रिक या मानसिक अव्यक्तता
 भगवर का संकेत

11. बालतंत्र (लोकोमीटर सिस्टम)

की असमानता

12. जनन मूत्र तंत्र (बीनरी यूरिनरी सिस्टम)

हाइड्रोसिल बरिक्वोसिल जावि का कोई संकेत।

मूत्र परीक्षा :—

(क) कैसा दिबाई पड़ता है ?

(ख) अपेक्षित गुरुत्व (स्पेसिफिक ग्रेविटी)

(ग) एलबुमन

(घ) साकर

(ङ) कास्ट

(च) कोरिस्काफ (सैस)

13. छाती की एक्स-रे परीक्षा की रिपोर्ट।

14. क्या उम्मीदवार के स्वास्थ्य से कोई ऐसी बात है जिससे वह इस सेवा की ड्यूटी को वक्षतापूर्वक निभाने के लिए अयोग्य हो सकता है।

नोट :—महिला उम्मीदवार के मामले में यदि यह पाया जाता है कि वह 12 सप्ताह की अवस्थिति जन्म या उससे अधिक समय से गर्भिणी है तो उसे अस्थायी रूप से अयोग्य घोषित किया जाना चाहिए, बच्चे विनिवम 9।

15. (क) क्या वह भारतीय अर्थ सेवा/भारतीय सांख्यिकी सेवा में वक्षतापूर्वक और निरन्तर कार्य करने के लिए सब तरह से योग्य पाया गया।

(ख) क्या उम्मीदवार क्षेत्र सेवा (फील्ड सर्विस) के लिए योग्य है ?

नोट :—बोर्ड को अपना आंच परिणाम निम्नलिखित तीन वर्गों में से किसी एक वर्ग में रिकार्ड करना चाहिए :—

(क) योग्य (फिट)

(ख) अयोग्य (अनफिट) जिसका कारण

(ग) अस्थायी रूप से अयोग्य जिसका कारण

स्थान

तारीख

अध्यक्ष

सदस्य

सदस्य

PRESIDENT'S SECREARIAT

New Delhi, the 11th March 1991

No. 39-Pres/91.—The President is pleased to award the President's Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Punjab Police.

Name and rank of the officer

Shri Avtar Singh Chhetra, (Posthumous)
Supdt. of Police (Operations),
Tarn Taran.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On the 24th June, 1989, Station House Officer, Police Station Jhabal and Deputy Superintendent of Police, 72 Battalion, Central Reserve Police Force along with some officials of their force were present at the bus stand Gaggobue. They received information about the presence of 5-6 extremists in the house of one Dharam Singh of village Mussa. Immediately they rushed to village Mussa. When the police party reached the village, the extremists started firing on the Police party. SHO, Police Station, Jhabal informed Senior Superintendent of Police Tarn Taran about the incident through wireless. The Senior Superintendent of Police, Tarn Taran along with Shri Avtar Singh Chhetra, Superintendent of Police (operations) and 2 Deputy Supdts. of police along with their respective forces reached there and surrounded the village. Shri Avtar Singh Chhetra, both the Deputy Supdts. of Police and SHO, Police Station Jhabal along with their gunmen advanced from all sides towards the terrorists. During the exchange of fire, SSP, Tarn Taran directed all the officers to close the proximity with the intention to compel the extremists to surrender. Shri Avtar Singh Chhetra along with his two gunmen showed extraordinary courage and entered the court-yard of the house of Sardool Singh, village Mussa. When they entered the house all of a sudden the extremists started firing on them through the windows of a room. As a result of this firing Shri Avtar Singh Chhetra and both his gunmen were seriously injured. In spite of injuries they kept on firing on the extremists without caring for their lives. To save the lives of the injured, Senior Superintendent of Police, Tarn Taran along with the Deputy Superintendent of Police, Detective, Tarn Taran and SHO, Police Station Jhabal with their forces gave covering fire and brought out Shri A.S. Chhetra and both the gunmen. In the exchange of fire five extremists were killed. Shri A.S. Chhetra, Superintendent of Police, (Operations) and his two gunmen were rushed to Hospital but Shri Chhetra succumbed to his injuries on the way.

In this encounter Shri Avtar Singh Chhetra, Superintendent of Police, (Operations) displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the President's Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 24th June, 1989.

No. 40-Pres/91.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Punjab Police :—

Name and rank of the officer

Shri H.S. Dhillon,
Superintendent of Police,
Jalandhar.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

An information regarding movement of a gang of terrorists in the jurisdiction of Police Station Nakodar was received. Shri H.S. Dhillon, Superintendent of Police (Operations), Jalandhar was deputed to recon the area and plan a comprehensive combing operation. On the 29th September, 1989 at about 4.00 AM, various parties were formed to comb the area, thoroughly briefed by Shri Dhillon and the search started at day break.

At about 7.00 AM some information was received that the terrorists were hiding in the farm house of Dara Singh at Village Baghela Police Station Nakodar. Shri Dhillon along with Superintendent of Police, Detective, Commandant of 89 Battalion, Central Reserve Police Force, and SHO, Police Station Nakodar along with their respective parties proceeded to raid the farm house. When the police party approached the farm house, five terrorists armed with lethal weapons emerged from one of the rooms of the farm house and started indiscriminate firing on the police party. Shri Dhillon immediately took command of the situation and ordered the police personnel to return fire and advance towards the farm house. They took position in the paddy field at the rear side of the farm house.

As the police parties moved towards the left and right sides of the farm house, the terrorists who were hiding in the paddy field fired heavily on the police parties. Assessing the situation, Shri H. S. Dhillon took the risk of his life and tactically climbed the house at a lightening speed, while the two parties led by Commandant, 89 Battalion, Central Reserve Police Force and Superintendent of Police (Detective) gave covering fire from their position. Shri Dhillon crawled on the roof to locate hiding terrorists and fired on them with his SLR. On this all the five terrorists engaged Shri Dhillon with heavy volley of fire from their automatic weapons. Shri Dhillon succeeded in killing two terrorists who were on the right side of his position. The remaining three still kept on firing on Shri Dhillon. After this Shri Dhillon changed his position to return the fire on other terrorists, who were on the left side. In the meantime five Constables of Punjab Police climbed the roof-top and took position on the left and right of Shri Dhillon. They directed their fire pointedly on the remaining terrorists. In the exchange of fire one of the Constables was hit in the arm but Shri Dhillon kept his nerves and presence of mind and become more desperate to silence the remaining terrorists also. After about 15 minutes of firing, Shri Dhillon was able to hit two terrorists. At this, the fifth terrorist, who was badly injured, raised his hands and surrendered. He was later identified as Lakhbir Singh. The four dead terrorists were later identified as Bohar Singh, Satnam Singh, Resham Singh and Balwant Singh.

In this encounter Shri H. S. Dhillon, Superintendent of Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it special allowance admissible under rule 5, with effect from the 29th September, 1989.

No. 41-Pres/91.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officers of the Punjab Police :—

Names and rank of the officers

Shri Joginder Singh,
Inspector of Police No. FR/6
(Now Deputy Superintendent of Police), Sangrur.

Shri Sat Pal,
Sub-Inspector of Police, No. 265/FR,
Sangrur.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On the 11th May, 1989 Shri Joginder Singh, Inspector of Police, CIA Staff, Bahadursinghewala, District Sangrur received a secret information that some 'A' category terrorists were hiding in the house of one Harvinder Singh under Police Station Jagraon, District Ludhiana. He at once organised a raiding party consisting of Shri Sat Pal, Sub-Inspector, two Assistant Sub. Inspectors, one Head Constable and 8 Constables. With the assistance of the Jagraon Police, the police party surrounded the house of Harvinder Singh at about 5.30 AM and Shri Joginder Singh asked the terrorists to surrender themselves, instead the terrorists opened fire on the police party. Immediately Inspector Joginder Singh along with Sub-Inspector Sat Pal one Assistant Sub-Inspector and one Constable scaled the

outer wall, jumped into the house and confronted the terrorists but came under heavy fire from the terrorists injuring Sub-Inspector, Sat Pal and two constables. The police party opened fire in self defence and the quick retaliation brought success as the firing from the terrorists stopped. The Police party later found that one terrorist identified as Darshan Singh alias Makhan Singh S/o Gurdev Singh was found dead while his associate Sikandar Singh S/o Jagir Singh was injured and was arrested.

In this encounter Shri Joginder Singh, Inspector of Police, Shri Sat Pal, Sub-Inspector of Police, displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

These awards are made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of Police Medal and consequently carries with them the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 11th May, 1989.

No. 42-Pres/91.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Border Security Force :

Name and rank of the officer

Shri Laxman Singh,
Company Havildar Major,
81 Battalion,
Border Security Force.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On the 6th February, 1990 at about 9.00 PM on receipt of information about the sound of firing at Partap Paper Mill which is about one kilometre away from Shekhupura, Company Headquarters, a patrol party headed by one Sub-Inspector alongwith Head Constable Laxman Singh and 6 others rushed towards the place of incident and surrounded the Paper Mill. Meanwhile another patrol party headed by the Unit Commandant also reached the spot and they entered the building from where fire was coming. On seeing the Police, the four extremists, who had set the Partap Paper Mill on fire, tried to escape. Shri Laxman Singh was fired on by the escaping extremists. Shri Singh instantaneously responded, opened fire on the extremists and without caring for his personal safety chased the extremists single handedly. Shri Singh shot down one terrorist, who was later identified as Sawinder Singh of village Hardhan, Police Station Sadar Batala carrying a reward of Rs. 30,000/- on his head. This terrorists was involved in more than 60 killings and many bomb blast cases. One HE-36 Hand Grenade, 2 Magazines of AK-47 and 272 live cartridges were recovered from the dead extremist. The other Police party headed by the Unit Commandant which had reached the first floor from where the terrorists were firing, saw that the paper mill has been set on fire by the terrorist by sprinkling kerosene oil. That party immediately put off the fire and thus averted a loss of more than Rs. 15 crores.

In this encounter Shri Laxman Singh, Company Havildar Major, displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5 with effect from the 6th February, 1990.

No. 43-Pres/91.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Border Security Force.

Name and rank of the officer

Shri N. D. Goswami,
Deputy Commandant,
107 Battalion,
Border Security Force.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On the 23rd March, 1988, Shri N. D. Goswami, Deputy Commandant, 107 Battalion, Border Security Force was travelling in Kamrup Express from Howrah to Cooch-Bihar to his new place of posting. When the train approached Khagraha Junction, New Murshidabad at about 8.10 P.M., he observed some miscreants exchanging signals and moving suspiciously around the 1st class compartment in which Shri Goswami was travelling. Observing suspicious movements and exchange of signals he smelt some imminent danger. In spite of the anticipated danger, he came out of his cabin and moved towards the toilet, quickly scanned the area and assessed the situation. He then watched the movements of two tough looking young men in the corridor of the compartment. He questioned them as they did not look like first class passengers. While he was talking to one of them, the other man surreptitiously tried to take out something from his waist apparel. The movement of the hand was immediately observed by Shri Goswami and without wasting any time and risking his life pounced upon the man. After a scuffle, he overpowered the man and was able to disarm him, who was carrying a .303 bore pistol with 5 live cartridges. Hearing the sounds of the scuffle, other passengers in the compartment also came out and helped Shri Goswami in overpowering both the criminals. Both the criminals were later handed over to GRP alongwith arms and ammunition. The daring and bold action of Shri Goswami averted a well planned train robbery which would have caused less of human life and property.

In this incident Shri N. D. Goswami, Deputy Commandant displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of Police Medal and consequently carry with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 23rd March 1988.

The 12th March 1991

CORRIGENDUM

No. 45-Pres/91.—The following amendment is made, in this Secretariat Notification No. 4-Pres/91, dated the 26th January, 1991, Published in Part I, Section 1 of the Gazette of India, dated the 9th February, 1991 relating to the award of Police Medal for meritorious service on the occasion of Republic Day, 1991 :—

At page 35 serial number 8.

For Shri Shashikant Kilipkant Pandya

Read Shri Shashikant Dilipkant Pandya.

A. K. UPADHYAY, Director

MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES & PENSIONS

(DEPARTMENT OF PERSONNEL & TRAINING)

New Delhi, the 6th March 1991

RESOLUTION

No. 118/1/91-AVDI.—On being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, the Government of India have decided that Clause (XV) under para 2 of the Government of India Resolution No. 24/7/64-AVD, dated the 11th February, 1964, incorporated vide Resolution No. 118/1/90-AVD.I dated the 19th June, 1990 shall continue to be in force in respect of the State Government of Goa for a further period of one year from 6th January, 1991 or till such time as alternative arrangements are made by the State Government to set up their own vigilance organisation, whichever is earlier.

ORDER

ORDERED that a copy of this Resolution may be communicated to all State Governments, all Ministries of the Government of India etc. and

Also that the Resolution be published in the Gazette of India

B. SEN, Jt. Secy.

MINISTRY OF TEXTILES

OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay, the 1st January 1991

No. CER(30)/91-CLB.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 16 of the Textiles (Control) Order, 1986, I hereby issue the following direction :—

The Notification No. CER(ii)/86-CLB dt. 22-8-86, shall continue in force until further Orders.

ARUN KUMAR, Textile Commissioner

MINISTRY OF ENVIRONMENT AND FORESTS
(DEPARTMENT OF ENVIRONMENT, FORESTS AND WILDLIFE)

New Delhi-110003, the 28th January 1991

RESOLUTION

No.6/4/89-WI-I.—The Government of India has decided to reconstitute the Indian Board for Wildlife as follows :—

Chairman

1. Prime Minister of India

Vice-Chairman

2. Union Minister of State for Environment and Forests.

Members

- 3 to 5—

Three members representing the Parliament of India—Two from Lok Sabha and one from Rajya Sabha.

6. Chairman, Animal Welfare Board.
7. President, Bombay Natural History Society.
8. President, Board of Trustees, World Wildlife Fund— India.
9. President, Wildlife Preservation Society Dehra Dun.
10. President, Wildlife Association of South India, Bangalore.
11. Chairman, Assam Valley Wildlife Preservation Society.

- 12 to 21—

10-Non-officials to be nominated by the Government from amongst eminent conservationists, ecologists and environmentalists.

22. Secretary, Ministry of Environment and Forests.
23. Chief of Army Staff.

24. Secretary, Ministry of Defence.

25. Secretary, Department of Expenditure, Ministry of Finance.

26. Secretary, Ministry of Commerce.

27. Secretary, Department of Education.

28. Secretary, Ministry of Information and Broadcasting.

29. Inspector General of Forests, Department of Environment, Forests & Wildlife.

30. Director General of Tourism.

31. Director General, Indian Council of Forest Research & Education, Dehra Dun.

32. Director, Wildlife Institute of India.

33. Director, Zoological Survey of India.

34. Director, Botanical Survey of India.

- 35 to 44—

One representative each from 10 States and Union Territories by rotation, as may be decided by Government of India from time to time. Such representative would be nominated by the concerned State Government/Union Territory Administration and would represent the Wildlife organisation in the State/ Union Territory

Member-Secretary

45. Addl. Inspector General of Forests (Wildlife) Department of Environment, Forests and Wildlife, Government of India.

2. The functions of the Board shall be :—

- (i) to advise the Central and State Government on ways and means of promoting conservation and effectively controlling poaching of wildlife through coordinated legislative and administrative measures.
- (ii) to advise on the setting up of national parks, sanctuaries and zoological gardens;
- (iii) to advise the Government on policy regarding export of living animals, trophies, skins, furs, feathers and other products of wildlife;
- (iv) to review from time to time the progress in the field of wildlife conservation in the country and suggest such measures for improvement as are considered necessary;
- (v) to promote public interest in wildlife and on the need for its preservation in harmony with natural and human environment;
- (vi) to assist and encourage the formation of wildlife Societies and to act as a Central Coordinating Agency for all such bodies;
- (vii) to perform such other functions as are germane to the purposes for which the Board is constituted;
- (viii) to advise the Central Government on any matter that it may refer to the Board, provided the subject matter of the reference falls within the prescribed functions of the Board;
- (ix) to do all such other things either alone or in conjunction with others or on the direction of the Government of India, which the Board may consider necessary, advisable or conducive to the preservation and conservation of wildlife or for other similar purposes for which it is constituted, including those mentioned herein;

3. Duration of Membership :

- (i) Members other than those who are members of office or appointment held by them, shall hold office for a period of four years. The Board would be reconstituted after every four years, unless otherwise ordered.

- (ii) A member of Parliament, nominated as a member of the Board, will continue to be such till the Board is reconstituted after four years, or otherwise, unless he ceases to be such on the dissolution of the Parliament, or on his ceasing to be a member.
- (iii) A member shall cease to hold office on the happening of any of the following events: if he shall die, resign, become of unsound mind, become insolvent or be convicted by a court of law of a criminal offence involving moral turpitude.
- (iv) Any vacancy in the membership caused by any of the reasons mentioned above shall be filled by appointment or nomination by the authority entitled to make such vacancies shall be filled for the remaining period out of the tenure period of four years.

4. Meetings of the Board :

The Board shall ordinarily meet once a year and its meetings may be held in rotation in each of the four regions of the country as well as at the Centre.

5. The Board shall appoint a Standing Committee to :—

- (i) Watch the implementation of the recommendations of the Board and to aid and advise the Central and State Governments on any matter arising therefrom;
- (ii) carry out all such functions of the Board as the Board may, from time to time, delegate to it, as well as to take action on behalf of the Board while it is not in session; and
- (iii) constitute specialised Committee, Sub-Committees and Study Groups as may be necessary, from time to time, for the proper discharge of the functions of the Board.

6. Travelling allowance and daily allowance will be payable to non-official members of the Board as admissible to Grade I Officers of the Government of India, as and when meetings of the Board are held.

7. Government of India, Ministry of Environment and Forests (Department of Forests and Wildlife) Resolution Nos. 6-1/85-FRY (WL), dated the 5th June, 1985 and No. 6-1/85-FRY (WL), dated the 25th September, 1987, regarding the Indian Board for Wildlife are hereby repealed.

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all concerned. Ordered also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

P. RAJAMANI, Secy.

MINISTRY OF WATER RESOURCES

New Delhi, the 13th February 1991

RESOLUTION

No. 2/1/87-Hindi.—Ministry of Water Resources Resolution No. 2/1/87-Hindi dated 1st March, 1988, published in the Gazette of India, Part I, Section I regarding introduction of scheme to encourage writing of books originally in Hindi on the subjects related to Irrigation is amended as under :

In para 15, at Sl. No. 4 and in Para 16(a), in the next line below Sl. No. 7, for the words "Assistant Director (O.L.)", the words "Deputy Director (O.L.)" may be substituted.

ORDER

ORDERED that a copy of this Resolution be communicated to all State Governments and Union Territory Administrations, President's Secretariat, Prime Minister's Office,

Cabinet Secretariat, Department of Parliamentary Affairs, Lok Sabha Secretariat, Rajya Sabha Secretariat, Comptroller and Auditor General of India and all the Ministries/Departments of Government of India.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

The 11th March 1991

RESOLUTION

No. 14/1/89-Hindi.—The following amendments are made in the Resolution of even number dated 3rd January, 1991 regarding constitution of Hindi Salahakar Samiti for the Ministry of Water Resources.

S. No., In place of

2. Shri Vishvender Singh
Member (Lok Sabha)

To be Substituted

Shri Nitish Kumar
Member (Lok Sabha)

In place of

6. Prof. N. Tombi Singh
Member (Lok Sabha)

To be Substituted

Shri Chowdhary Harmohan Singh
Member (Rajya Sabha)

In place of

29.

To be Substituted

Miss Aradhana Chowdhary,
writer, C/o Shri K. N. Chowdhary,
ECE Colony, A-20, Industrial Area,
Meerut Road, Gaziabad-201001.

In place of

30.

To be Substituted

Shri Phasal Anurag,
Bureau Chief,
Nav Bharat Times, Ranchi (Bihar)

31.

To be Substituted

Chowdhary G. S. Dhara Singh,
President, Kerala Hindi Sahitya Mandal,
Tallan Road, Mattanveri
Cochin-682002 (Kerala).

ORDER

ORDERED that a copy of this Resolution be communicated to all the members of the Samiti, all State Governments and Union Territory Administration, President's Secretariat, Prime Minister's Office, Cabinet Secretariat, Department of Parliamentary Affairs, Lok Sabha Secretariat, Rajya Sabha Secretariat, Comptroller and Auditor General of India, and all the Ministries/Departments of Government of India.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

ABHAY PRAKASH, Jt. Secy.

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi-110011, the 11th March 1991

RESOLUTION

No. U-24012/6/90-RW.—The tenure of the National Commission on Rural Labour, re-constituted vide Ministry of Labour Resolution No. U-24012/1/90-RW dated 24th January, 1991, and published in the Gazette of India, Part I Section I, is hereby extended by two months beyond 31-3-1991.

The other terms and conditions shall, however, remain unchanged.

ORDER

ORDERED that the Resolution be published in the Gazette of India, Part I, Section 1.

ORDERED also that a copy of the Resolution be communicated to all Ministries/Departments of the Government of India, State Governments/Administrations of Union Territories and all other concerned.

Member Secretary, N.C.R.L., Bikaner House, New Delhi, (with 10 spare copies).

V. P. SAWHNEY,
Secy.

New Delhi, the 7th March 1991

RESOLUTION

No. E-11016/30/89-Rajbhasha Niti.—In this Ministry's Resolution of even number dated 19-7-90 regarding reconstitution of Hindi Salahakar Samiti of the Ministry of Labour, under the heading 'Non-Official Members', the following entries shall be inserted against S. No. 27 to 29 :—

27. Smt. Sandhya Singh, Writer,
Bareilly, Uttar Pradesh.

28. Shri B.B. Mahajan,
Retired Secretary (O.L.),
Sector-10-A, Flat No. 65,
Chandigarh.

29. Shri K.K. Krishnan Nambudri,
Ex-President, Deptt. of Hindi,
Kerala University, Trivendrum.

Nominated by
the Deptt.
of Official
Language.

Nominated by the
Deptt. of Official
Language.

ORDER

ORDERED that a copy of this Resolution to communicated to all State Govts. and Union Territory Administrations, Prime Minister's Secretariat, Cabinet Secretariat, Min. of Parliamentary Affairs, Lok Sabha Secretariat, Rajya Sabha Sectt., Planning Commission, President's Secretariat, Comptroller and Auditor General of India, Accountant General, Central Revenues and all Ministries and Deptts. of the Govt. of India and all offices of the Ministry of Labour including Autonomous and Semi-autonomous Bodies.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

SHASHI JAIN,
Jt. Secy.

MINISTRY OF FINANCE

(DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS)

RULES

New Delhi, the 6th April 1991

No. 11013/1/90-IES.—The rules for a competitive examination to be held by the Union Public Service Commission in 1991 for the purpose of filling vacancies in Grade IV of the following Services are published for general information :—

(i) The Indian Economic Service, and

(ii) The Indian Statistical Service.

4—1 GI/91

2. The number of vacancies to be filled on the results of the examination will be specified in the Notice issued by the Commission. Reservation will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government.

3. The examination will be conducted by the Union Public Service Commission in the manner prescribed in Appendix I to these rules.

The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

4. A Candidate must be either :—

(a) a citizen of India, or

(b) a subject of Nepal, or

(c) a subject of Bhutan, or

(d) a Tibetan refugee who came over to India, before the 1st January, 1962, with the intention of permanently settling in India, or

(e) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, East African countries of Kenya, Uganda, the United Republic of Tanzania, (formerly Tanganyika and Zanzibar), Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (b), (c), (d), and (e) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Government of India.

5. (a) A candidate for admission to this examination, must have attained the age of 21 years and must not have attained the age of 28 years on 1st January, 1991 i.e. he must have been born not earlier than 2nd January, 1963 and not later than 1st January, 1970.

(b) The upper age limit prescribed above will be relaxable :—

(i) up to a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;

(ii) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;

(iii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964, or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964.

- (iv) up to a maximum of three years in the case of Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof;
- (v) up to a maximum of eight years in the case of Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof, who belongs to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;
- (vi) up to a maximum of five years in case of ex-servicemen including Commissioned Officers and ECOs/SSCOs who have rendered at least five years Military Service as on 1st January, 1991 and have been released (i) on completion of assignment (including those whose assignment is due to be completed within one year from 1st January 1991) otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency, or (ii) on account of Physical disability attributable to Military Service or (iii) on invalidment;
- (vii) up to a maximum of ten years in case of ex-servicemen including Commissioned Officers and ECOs/SSCOs who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes and who have rendered at least five years Military service as on 1st January, 1991 and have been released (i) on completion of assignment (including those whose assignment is due to be completed within one year from 1st January, 1991) otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency or (ii) on account of Physical disability attributable to Military Service or (iii) on invalidment.
- (viii) up to a maximum of five years in case of ECOs/SSCOs who have completed an initial period of assignment of five years of Military Service as on 1st January, 1991 and whose assignment has been extended beyond five years and in whose case the Ministry of Defence issues a certificate that they can apply for Civil employment and they will be released on three months notice on selection from the date of receipt of offer of appointment.
- (ix) up to a maximum of ten years in case of ECOs/SSCOs who have completed an initial period of assignment of five year of Military Service as on 1st January, 1991 and whose assignment has been extended beyond five years and in whose case the Ministry of Defence issues a certificate that they can apply for civil employment and that they will be released on three months' notice on selection from the date of receipt of offer of appointment and who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes.

Note I.—The term ex-serviceman will apply to the persons who are defined as 'ex-servicemen' in the Ex-servicemen (Re-employment in Civil Services and Posts) Rules, 1979 as amended from time to time.

Note II.—Ex-servicemen who have already joined Government job on Civil side after availing of the benefits given to them as ex-servicemen for their re-employment, are not eligible to the age concession under Rule 5(b)(vi) & 5(b)(vii) above.

SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMITS PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED.

6. A candidate for the Indian Economic Service must have obtained a degree with Economics or Statistics as a subject and a candidate for the Indian Statistical Service must have obtained a degree with Statistics or Mathematics or Economics as a subject from any University incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India or other educational institutions established by an Act of Parliament or declared to be deemed as Universities under Section 3 of the University Grants Commission Act, 1956 or possess an equivalent qualification.

Note I.—A candidate who has appeared at an examination, the passing of which would render him eligible to appear at this examination but has not been informed of the result may apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination, as soon as possible, and in any case not later than 17th January, 1992.

Note II.—In exceptional cases the Union Public Service Commission may treat a candidate, who has not any of the foregoing qualification, as a qualified candidate provided that he has passed examinations conducted by other institutions the standard of which in the opinion of the Commission justifies his admission to the examination.

Note III.—A candidate who is otherwise qualified but who has taken a degree from a foreign University may also apply to the Commission and may be admitted to the examination at the discretion of the Commission.

7. Candidates must pay the fee prescribed in para 6 of the Commission's Notice.

8. All candidates in Government service, whether in a permanent or in temporary capacity or as work-charged

employees, other than casual or daily-rated employees or those serving under Public Enterprises will be required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the Examination.

Candidates should note that in case a communication is received from their employers by the Commission with holding permission to the candidates' applying for/appearing at the examination, their application shall be rejected/candidature shall be cancelled.

9. The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

10. No candidate will be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

11. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of :—

- (i) obtaining support for his candidature by any means, or
- (ii) impersonating, or
- (iii) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information, or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or
- (vii) using unfair means during the examination, or
- (viii) writing irrelevant matter including obscene language or pornographic matter, in the script(s), or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall, or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examinations, or
- (xi) violating any of the instruction issued to candidates along with their Admission Certificates permitting them to take the examination, or
- (xii) attempting to commit or, as the case may be, abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses.

may in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable—

- (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; and or
- (b) to be debarred either permanently or for a specified period—

(i) by the Commission from any examination or selection held by them;

(ii) by the Central Government from any employment under them; and

(c) if he is already in service under Government to disciplinary action under the appropriate rules.

Provided that no penalty under this rule shall be imposed except after—

(i) giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf; and

(ii) taking the representation, if any, submitted by the candidate, within the period allowed to him, into consideration.

12. Candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written examination as may be fixed by the Commission in their discretion shall be summoned by them for *viva voce*.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or Scheduled Tribes may be summoned for *viva voce* by the Commission by applying relaxed standards if the Commission are of the opinion that sufficient number of candidates from these communities are not likely to be summoned for *viva voce* on the basis of the general standard in order to fill up the vacancies reserved for them.

13. (i) After the interview, the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate in the written examination as well as interview and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified at the examination shall be recommended for appointment upto the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination.

(ii) Candidates belonging to any of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent of the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes, be recommended by the Commission by a relaxed standard, subject to the fitness of these candidates for appointment to the Services/posts.

Provided that the candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes who have been recommended by the Commission without resorting to the relaxed standard referred to in this sub-rule shall not be adjusted against the vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes.

14. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

15. In the case of the candidates competing for both the Services, due consideration will be given to the order of preferences expressed by a candidate at the time of his application.

No request for alteration in preferences indicated by candidates in respect of Services for which they desired to be considered, would be entertained unless the request for such alteration is received in the office of the Union Public Service Commission within 30 days of the date of publication of the results of the written examination in the "Employment News".

16. Success in the examination confers no right to appointment unless Government are satisfied after such enquiry as may be considered necessary, that the candidate having regard to his character and antecedents is suitable in all respects for appointment to the Service.

17. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the discharge of his duties as an officer of the Service. A candidate who after such physical examination as Government or, the appointing authority, as the case may be, may prescribe is found not to satisfy these requirements, will not be appointed. Any candidate called for *viva voce* by the Commission may be required to undergo physical examination.

Note.—In order to prevent disappointment candidates are advised to have themselves examined by a Government Medical Officer of the standing of a Civil Surgeon, before applying for admission to the examination. Particulars of the nature of medical test to which candidates will be subjected before appointment and of the standards required are given in Appendix III to these Rules. For the disabled ex-Defence Services personnel the standards will be relaxed consistent with the requirements of the Service(s).

18. No person :—

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- (b) who having a spouse living has entered into or contracted a marriage with any person shall be eligible for appointment to service.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing exempt any person from the operation of this rule.

19. Brief particulars relating to the services to which recruitment is being made through this examination are stated in Appendix-II.

ANUPAM KULSHRESHTHA, Director

APPENDIX I

The examination shall be conducted according to the following plan :—

Part I.—Written examination carrying a maximum of 900 marks in the subjects as shown below.

Part II.—*Viva voce* (vide Part 'B' of the Schedule to this Appendix) of such candidates as may be called by the Commission, carrying a maximum of 250 marks.

2. The subjects of the written examination under Part I, the maximum marks allotted to each subject/paper and the time allowed shall be as follows :—

S.No.	Subject	Code No.	Maximum Marks	Time Allowed
1	2	3	4	5
A. Indian Economic Service				
1.	General English	01	150	3 hrs.
2.	General Studies	02	150	3 hrs.
3.	General Economics-I		200	
	Part-I	03	50 marks	3 hrs.
	Part-II	04	Part-I 1 hr. 150 marks- Part-II 2 hrs.	
4.	General Economics-II		200	
	Part-I	05	50 marks	3 hrs.
	Part-II	06	Part-I 1 hr. 150 marks Part-II 2 hrs.	
5.	Indian Economics		200	
	Part-I	07	50 marks	3 hrs.
	Part-II	08	Part-I 1 hr. 150 marks- Part-II 2 hrs.	

N.B.—In the case of papers on subjects at S. Nos. 3 to 5 above if a candidate does not reach the Examination Hall within the permissible time limit and is not admitted to the examination in Part I of the paper, he will not be entitled to be admitted to Part II of the paper.

B. Indian Statistical Service

1.	General English	01	150	3 hrs.
2.	General Studies	02	150	3 hrs.
3.	Statistics I	09	200	3 hrs.
4.	Statistics II	10	200	3 hrs.
5.	Statistics III	11	200	3 hrs.

NOTE I.—The papers on the subjects 'General English' and 'General Studies' will consist of objective type questions only.

NOTE II.—Part I of the paper on subjects at S. Nos. 3 to 5 above for the Indian Economic Service will consist of objective type questions only and Part II of the papers on these subjects will consist of short answer and essay type questions.

NOTE III.—The papers on the subjects at S. Nos. 3 and 4 for the Indian Statistical Service will consist of objective type questions only and the paper on the subject at S. No. 5 will consist of essay type questions.

NOTE IV.—For details including sample questions for the papers on the subjects which will consist of objective type questions please see "Candidates Information Manual" at Annexure II to the Commission's Notice.

NOTE V.—The standard and syllabi of the subjects mentioned above are given in Part A of the Schedule to this Appendix.

3. ALL QUESTION PAPERS MUST BE ANSWERED IN ENGLISH. QUESTION PAPERS WILL BE SET IN ENGLISH ONLY.

4. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances, will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them.

5. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects of the examination.

6. If a candidate's handwriting is not easily legible, a deduction will be made on this account, from the total marks otherwise accruing to him.

7. Marks will not be allotted for mere superficial knowledge.

8. Credit will be given for orderly, effective and exact expression combined with due economy of words.

9. In the question papers wherever necessary, questions involving the use of Metric System of Weights and Measures only will be set.

10. Candidates are permitted to bring and use battery operated pocket calculators for conventional (essay) type papers only. Loaning or inter-changing of calculators in the Examination Hall is not permitted.

It is also important to note that candidates are not permitted to use calculators for answering objective type papers (Test Booklets). They should not, therefore, bring the same inside the Examination Hall.

11. Candidates should use only International Form of Indian numerals (eg. 1, 2, 3, 4, 5, 6, etc.) while answering question papers.

THE SCHEDULE

PART A

The standard of papers in General English and General Studies will be such as may be expected of a graduate of an Indian University.

The standard of papers in the other subjects will be that of the Master's degree examination of an Indian University in the relevant disciplines. The candidates will be expected, to illustrate theory by facts, and to analyse problems with the help of theory. They will be expected to be particularly conversant with Indian problems in the field(s) of Economics/Statistics.

GENERAL ENGLISH (Code No. 01)

The questions will be designed to test the candidate's understanding of English and workmanlike use of words.

GENERAL STUDIES (Code No. 02)

The paper in General Studies will include knowledge of current events and of such matters of everyday observation and experience in their scientific aspects as may be expected of an educated person. The paper will also include questions on History of India and Geography of a nature which candidates should be able to answer without special study.

GENERAL ECONOMICS—I (Code No. 03 for Part—I and 04 for Part—II)

Theory of consumer's demand : Indifference curve analysis. Revealed preference approach.

Theory of production : Factors of production. Production function. Laws of return. Equilibrium of the firm and the industry.

Theory of value: Pricing under various forms of market organisation. Public utility pricing.

Theory of distribution : Pricing of factors of production. Theories of rent wages, interest and profit. Macro distribution theory. Adding up problem. Inequalities in income distribution.

Welfare-economics : Old and new welfare economics. The compensation principle, policy implications.

Concept of national income. Social accounting.

Theory of employment output and inflation—the classical and neo-classical approaches. Keynesian theory of employment. Post Keynesian developments.

GENERAL ECONOMICS—II (Code No. 05 for

Part—I and 06 for Part II)

Concept of economic growth and its measurement. Theories of growth.

Characteristics and problems of developing countries. Population growth and economic development.

Planning : Concept and methods, Planning under capitalist and socialist forms of economic organisation. Planning in a mixed economy. Perspective planning. Regional Planning. Investment criteria and choice of techniques.

International economics : Theories of international trade, gains from trade. Terms of trade. Trade policy, international trade and economic development. Theory of tariffs.

Balance of payments, disequilibrium in balance of payments, Mechanism of adjustments. Foreign trade, multiplier. Exchange rates. Import and exchange controls.

I.M.F. and international monetary reforms. GATT; International aid for economic growth. I.B.R.D. and its affiliates.

Money : Its value and functions. Monetary policy. Functions of central and commercial banks.

Fiscal policy and its objectives : Theories of taxation and expenditure. Objectives and effects of public expenditure. Effects and incidence of taxation. Deficit financing. Theory of public debt.

Use of statistics in economics. Statistical average and measures of dispersion. Index numbers of prices and quantities—their limitations.

INDIAN ECONOMICS (Code No. 07 for Part—I and 08 for Part—II)

Basic features of the Indian economy: Development strategy; Rule of agriculture and industry; Role of foreign trade, Concept of balanced growth.

Planning: Objectives, priorities and problems. Five year plans. Problem of resource mobilisation.

Agriculture: New agricultural strategy; land relations and land reforms; rural credit, role of irrigation and fertiliser; agricultural marketing. Prices of agricultural produce. Crop planning. Community development, Subsidiary occupations and rural industries.

Cooperation: Its role in rural development. Growth of cooperative movement in India.

Industry: Strategy of industrial development. Problem of location. Problems of large and small scale industries. Industrial policy. Industrial estates. Sources of industrial finance. Role of foreign capital. Public enterprises; Organisation, management control and accountability, price policy.

Labour: Employment, unemployment and under-employment. Industrial relations and labour welfare. Labour policy. Wages, prices and income policy.

Foreign Trade: Salient features of India's foreign trade. Foreign trade policy. State trading. Balance of payments.

Money and Banking: Organisation of the Indian money market. Functioning of the commercial banks and the Reserve Bank of India. Monetary policy.

Public Finance: Fiscal Policy; Growth of Public expenditure. Tax policy. Main sources of revenue of Union and State Governments. Public debt policy. Deficit financing Union-State financial relations.

STATISTICS—I (Code No. 09)

NOTE :—ONLY OBJECTIVE TYPE (MULTIPLE CHOICE) QUESTIONS WILL BE SET

Probability (40 per cent weight)

Elements of measure theory. Classical definition and axiomatic approach. Sample space. Laws of total and compound probability. Probability of m events out of n . Conditional probability. Bayes' theorem. Random variable—discrete and continuous. Distribution function. Standard probability distributions—Bernoulli, uniform, binomial, poisson, geometric, rectangular, exponential, normal, cauchy, hypergeometric, multinomial, Laplace, negative binomial beta, gamma, lognormal and compound Poisson distribution. Convergence in distribution, in probability, with probability one and in mean square. Moments and cumulants, Mathematical expectation and conditional expectation. Characteristic function and moment and probability generating functions. Inversion, uniqueness and continuity theorems. Tchebycheff's and Kolmogorov's inequalities. Laws of large numbers and central limit theorems for independent variables.

Statistical methods (45 per cent weight)

Collection, compilation and presentation of data. Charts, diagrams and histogram. Frequency distribution. Measures of location, dispersion and skewness. Bivariate and multivariate data. Association and contingency. Curve fitting and orthogonal polynomials. Bivariate distributions, Bivariate normal distribution. Regression—linear, polynomial. Distribution of the correlation coefficient. Partial and multiple correlation. Intraclass correlation. Correlation ratio.

Standard errors and large sample tests. Sampling distributions of \bar{x} , S^2 , chi-square and F ; tests of significance based on them.

Non-parametric tests/sign, median, run Wilcoxon, Mann-Whitney, Wald-Wolfowitz etc. Rank order statistics—minimum, maximum, range and median.

Numerical Analysis (15 per cent weight)

Interpolation formulae (with remainder terms) due to Lagrange, Newton-Gregory, Newton (Divided difference), Gauss and Stirling. Euler Maclaurin's summation formula. Inverse interpolation. Numerical integration and differentiation. Difference equations of the first order. Linear difference equations with constant co-efficients.

STATISTICS—II (Code No. 10)

NOTE :—ONLY OBJECTIVE TYPE (MULTIPLE CHOICE) QUESTIONS WILL BE SET

Linear Models (25 per cent weight)

Theory of linear estimation. Gauss-Markoff set up. Least square estimators. Use of g -inverse. Analysis of one-way and two-way classified data—fixed, mixed and random effect models. Tests for regression co-efficients.

Estimation (25 per cent weight)

Characteristics of a good estimator. Estimation method of maximum likelihood, minimum chi-square moments and least squares. Optimal properties of maximum likelihood estimators. Minimum variance unbiased estimators. Minimum variance bound estimators. Cramer-Rao inequality. Bhattacharya bounds. Sufficient estimator. Factorisation theorem. Complete statistics. Rao-Blackwell theorem. Confidence interval estimation. Optimum confidence bounds.

Hypothesis testing (25 per cent weight)

Simple and composite hypothesis. Two kinds of error. Critical region. Different types of critical regions and similar regions. Power function. Most powerful and uniformly most powerful tests. Neyman-Pearson fundamental lemma. Unbiased test. Randomised test. Likelihood ratio test Wald's SPRT. O C and ASN functions. Elements of decision and game theory.

Multivariate Analysis (25 per cent weight)

Multivariate normal distribution. Estimation of mean Vector and covariance matrix. Distribution of Hotelling's T^2 statistic. Mahalanobis's D^2 statistic, partial and multiple correlation coefficients in samples from a multivariate normal population. Wishart's distribution, its reproductive and other properties. Wilk's criterion. Discriminant function. Principal components. Canonical variates and correlations.

STATISTICS—III (Code No. 11)

NOTE : ONLY ESSAY TYPE QUESTIONS. NOT INVOLVING LENGTHY AND COMPLICATED PROOFS WILL BE SET.

PART (a) (Compulsory for all)

Sampling Techniques (35 per cent weight)

Census versus sample survey. Pilot and large scale sample surveys. Sample random sampling with and without replacement. Stratified sampling and sample allocation. Cost and variance functions. Ratio and regression methods of estimation. Sampling with probability proportional to size. Cluster double, multiphase, multistage, and systematic sampling. Interpenetrating sub-sampling. Non-sampling errors.

Economic Statistics (25 per cent weight)

Components of time series. Methods of their determination—variate difference method. Yule-Slutsky effect. Correlogram. Autoregressive models of first and second order. Periodogram analysis. Index numbers of prices and quantities and their relative merits. Construction of index numbers of wholesale and consumer prices. Income distribution—Pareto and Engel curves. Concentration curve. Methods of estimating national income. Inter-sectoral flows. Inter-industry table.

PART (b)

CANDIDATES WILL BE ALLOWED OPTION OF ANSWERING QUESTIONS ON ANY ONE OF THE FOLLOWING TOPICS

(i) *Statistical Quality Control and Operations Research* (40 per cent weight)

Different kinds of control charts of variable and attributes. Acceptance sampling by attributes—Single, double, multiple and sequential sampling plans. OC and ASN functions. Concept of AOQL and ATI. Acceptance sampling by variable—use of Dodge—Roming and other tables.

Operations research approach. Elements of linear programming. Simplex procedure. Transport and assignment problems. Principle of duality. Single and multi-period inventory control models. ABC analysis. Characteristics of a waiting line model. M/M/I. M/M/C models. General simulation problems. Replacement models for items that fail and of items that deteriorate.

(ii) *Demography and Vital Statistics* (40 per cent weight)

The life table, its construction and properties. Makeham's and Gompert curves. National life tables. UN model life tables. Abridged life tables. Stable and stationary populations. Different birth rates. Total fertility rate. Gross and net reproduction rates. Different mortality rates. Standardised death rate. Internal and international migration: net migration. International and pastensal estimates. Projection methods including logistic curve fitting. Decennial population censuses in India.

(iii) *Design and Analysis of Experiments* (40 per cent weight)

Principles of design of experiments. Layout and analysis of completely randomised, randomised block and latin square designs. Factorial experiments and confounding in 2^n and 3^n experiments. Split-plot and strip-plot design. Construction and analysis of balanced and partially balanced incomplete block designs. Analysis of covariance. Analysis of non-orthogonal data. Analysis of missing and mixed plot data.

(iv) *Econometrics* (40 per cent weight)

Theory and analysis of consumer demand—specification and estimation of demand functions. Demand elasticities. Structure and model. Estimation of parameters in single equation model—classical least squares, generalised least-square, heteroscedasticity, serial correlation, multicollinearity errors in variable model. Simultaneous equation models—Identification, rank and other conditions. Indirect least squares and two stage least squares. Short-term economic forecasting.

PART B

Viva Voce.—The candidate will be interviewed by a Board of competent and unbiased observers who will have before them a record of his career. The object of the interview is to assess his suitability for the Service or Services for which he has competed. The interview is intended to supplement the written examination for testing the general and specialised knowledge and abilities of the candidate. The candidate will be expected to have taken an intelligent interest not only in his subjects of academic study but also in events which are happening around him both within and outside his own State or country as well as in modern currents of thought and in new discoveries which should rouse the curiosity of well-educated youth.

The technique of the interview is not that of strict cross examination, but of a natural, thought directed and purposive conversation intended to reveal the candidate's mental qualities and his grasp of problems. The Board will pay special attention to assessing the intellectual curiosity, critical powers of assimilation, balance of judgment and alertness of mind, the ability for social cohesion, integrity of character, initiative and capacity for leadership.

APPENDIX II

Brief particulars relating to the two Services to which recruitment is being made through this examination:

1. Candidates selected for appointment to either of the two Services will be appointed to Grade IV of the Service on probation for a period of two years which may be extended, if necessary. During the period of probation, the candidates will be required to undergo such courses of training and instruction and to pass such examination and tests as the Government may determine.

2. If in the opinion of Government the work or conduct of the officer on probation is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient, Government may discharge him forthwith.

3. On the expiry of the period of probation or of any extension, if the Government are of opinion that a candidate is not fit for the permanent appointment, Government may discharge him.

4. On completion of the period of probation to the satisfaction of Government, the candidate shall if considered fit for permanent appointment be confirmed in his appointment subject to the availability of substantive vacancies in permanent posts.

5. Prescribed scales of pay for the Services to which the recruitment is being made are as follows:

(a) Indian Economic Service.

SAG -Eco' Adviser/Addl. Eco. Adviser	Rs. 5900-200-6700
Grade I - Director (Grade II since merged with Grade-I)	Rs. 3700-125-4700-150-5000
Grade I-I- Deputy Director	Rs. 3000-100-3500-125-4500
Grade IV - Asstt. Director	Rs. 2200-75-2800—EB-100-4000

(b) Indian Statistical Service

Higher Administrative Grade (Rs. 7300—7600).

Senior Administrative Grade (Rs. 5900—6700).

Junior Administrative Grade (Rs. 3700—5000).

(Inclusive of a non-functional selection grade in the scale of Rs. 4500—5700).

Senior Time Scale (Rs. 3000—4500).

Junior Time Scale (Rs. 2200—4000).

6. Promotion to the next Grade of the Service will be made in accordance with the provisions of Indian Economic Service/Indian Statistical Service Rules, as amended from time to time.

An officer belonging to the Indian Statistical Service/Indian Economic Service will be liable to serve anywhere in India or abroad under the Central Government and may be required to serve in any post including any State Government or non-governmental organisation on deputation for a specified period.

7. Conditions of service and leave and pension etc. for officers of the two Services will be governed by the rules applicable to members of other Central Civil Services Group 'A'.

8. Conditions of Provident Fund are the same as laid down in the General Provident Fund (Central Services) Rules subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

APPENDIX III

REGULATIONS RELATING TO THE PHYSICAL EXAMINATION OF CANDIDATES

[These regulations are published for the convenience of candidates and to enable them to ascertain the probability of their being of the required physical standard. The regulations are also intended to provide guidelines to the medical examiners].

2. The Government of India reserve to themselves absolute discretion to reject or accept any candidate after considering the report of the Medical Board.

1. To be passed as fit for appointment a candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient performance of the duties of his appointment.

2. In the matter of the correlation of age, height and chest girth of candidates of Indian (Including Anglo-Indian) race it is left to the Medical Board to use whatever correlation figures are considered most suitable as a guide in the examination of the candidates. If there be any disproportion with regard to height, weight and chest girth the candidates should be hospitalised for investigation and X-ray of the chest taken before the candidate is declared fit or not fit by the Board.

3. The candidate's height will be measured as follows:—

He will remove his shoes and be placed against the standard with his feet together and the weight thrown on the heels and not on the toes or other sides of the feet. He will stand erect without rigidity and with the heels, calves, buttocks and shoulders touching the standard the chin will be depressed to bring the vertex of the head level under the horizontal bar and the height will be recorded in centimetres and parts of a centimetre to halves.

4. The candidate's chest will be measured as follows:—

He will be made to stand erect with his feet together and to raise his arms over his head. The tape will be so adjusted round the chest that its upper edge touches the interior angles of the shoulder blades, behind and lies in the same horizontal plane when the tape is taken round the chest. The arms will then be lowered to hang loosely by the side and care will be taken that the shoulders are not thrown upwards or backwards so as to displace the tape. The candidate will then be directed to take a deep inspiration several times and the maximum expansion of the chest will be carefully noted and the minimum and maximum will then be recorded in centimetres 84—89, 86—93 etc. In recording the measurements, fractions of less than a centimetre should not be noted.

N.B.—The height and chest of the candidate should be measured twice before coming to a final decision.

5. The candidate will also be weighed, and his weight recorded in kilograms; fraction of half a kilogram should not be noted.

6. (a) The candidate's eye-sight will be tested in accordance with the following rules. The result of each test will be recorded.

(b) There shall be no limit for minimum naked eye vision but the naked eye vision of the candidates shall however

be recorded by the Medical Board or other medical authority in every case, as it will furnish the basic information in regard to the condition of the eye.

(c) The following standards are prescribed for distant and near vision with or without glasses :—

Distant Vision		Near Vision	
Better eye (Corrected vision)	Worse eye	Better eye (Corrected vision)	Worse eye
6/9 6/9	6/9 or 6/12	J-I	J-II

(d) In every case of myopia fundus examination should be carried out and the results recorded. In the event of pathological condition being present which is likely to be progressive and affect the efficiency of the candidate, he should be declared unfit.

(e) *Field of Vision.*—The field of vision will be tested by the confrontation method. When such test gives unsatisfactory or doubtful result the field of vision should be determined on the perimeter.

(f) *Night Blindness.*—Broadly there are two types of night blindness. (1) as a result of Vit. A deficiency and (2) as a result of Organic Disease of Retina—a common cause being Retinitis pigmentosa in (1) the fundus is normal generally seen in younger age-group and ill-nourished persons and improves by large doses of Vit. A and (2) the fundus is often involved and mere fundus examination will reveal the condition in majority of cases. The patient in this category is an adult and may not suffer from malnutrition. Persons seeking employment for higher posts in the Government will fall in this category. For both (1) and (2) dark adaptation test will reveal the condition. For (2) specially when fundus is not involved electro-retinography is required to be done. Both these tests (dark adaptation and retinography) are time-consuming and require specialized set-up and equipment and thus are not possible as a routine test in a medical check-up. Because of these technical consideration it is for the Ministry/Department to indicate if these tests for night blindness are required to be done. This will depend upon the job requirement and nature of duties to be performed by the prospective Government employee.

(g) *Ocular condition other visual acuity.*—(i) Any organic disease or a progressive refractive error which is likely to result in lowering the visual acuity should be considered a disqualification.

(ii) *Squint.*—For technical services where the presence of binocular vision is essential, squint, even if the visual acuity in each eye is of the prescribed standard should be considered a disqualification. For other services the presence of squint

should not be considered as disqualification, if the visual acuity is of the prescribed standard.

(iii) *One eye.*—If a person has one eye or if he has one eye which has normal vision and the other eye is emmetropic or has subnormal vision, the usual effect is that the person lacks stereoscopic vision for perception of depth. Such vision is not necessary for many civil posts. The medical board may recommend as fit such person provided the normal eye has—

- (i) 6/6 distant vision and JI near vision with or without glasses provided the error in any meridian is not more than 4 dioptres for distant vision.
- (ii) has full field of vision.
- (iii) normal colour vision wherever required.

Provided the board is satisfied that the candidate can perform all the functions for the particular job in question.

(h) *Contact Lenses.*—During the medical examination of a candidate, the use of contact lenses is not to be allowed. It is necessary that when conducting eye tests, the illumination of the type letters for distant vision should have an illumination of 15 foot-candles.

7. Blood Pressure

The board will use its discretion regarding Blood Pressure.

A rough method of calculating normal maximum systolic pressure is as follows.—

- (i) With young subjects 15—25 years of the age the average is about 100 plus the age.
- (ii) With subjects over 25 years of the age the general rule of 110 plus half the age seems quite satisfactory.

N.B.—As a general rule any systolic pressure over 140 and diastolic over 90 should be regarded as suspicious and the candidate should be hospitalised by the Board before giving their final opinion regarding the candidate's fitness or otherwise. The hospitalization report should indicate whether the rise in blood pressure is of a transient nature due to excitement etc. or whether it is due to any organic disease. In all such cases X-ray and electro-cardiographic examination of heart and blood urea clearance test should also be done as a routine. The final decision as to the fitness or otherwise of a candidate will, however, rest with the Medical Board only.

Method of taking Blood Pressure

The mercury manometer type of instrument should be used as a rule. The measurement should not be taken within fifteen minutes of any exercise or excitement. Provided the patient, and particularly his arm is relaxed he may be either lying or sitting. The arm is supported comfortably at the patient's side in a more or less horizontal position. The arm should be freed from clothes to the shoulder. The cuff completely deflated should be applied with the middle of the rubber over the inner side of the arm, and its lower edge an inch or two above the bend of the elbow. The following turns of cloth bandage should spread evenly over the bag to avoid bulging during inflation.

The brachial artery is located by palpitation at the bend of the elbow and the stethoscope is then applied lightly and centrally over it below, but not in contact with the cuff. The cuff is inflated to about 200 mm. Hg. and then slowly deflated. The level at which the column stands when soft successive sounds are heard represents the systolic Pressure. When more air is allowed to escape the sounds will be heard to increase in intensity. The level of the column at which the well-heard clear sounds change to soft muffled fading sounds represents the diastolic pressure. The measurements should be taken in a fairly brief period of time as prolonged pressure of the cuff is irritating to the patient and will vitiate the readings. Rechecking if necessary, should be done only a few minutes after complete deflation of the cuff (Sometimes as the cuff is deflated sounds are heard at a certain level; they may disappear as pressure falls and reappear at a still lower level. The 'Silent Gap' may cause error in reading.)

8. The urine (passed in the presence of the examiner) should be examined and the result recorded. Where a Medical Board finds sugar present in a candidate's urine by the usual chemical tests the Board will proceed with the examination with all its other aspects and will also specially note any signs or symptoms suggestive of diabetes. If except for the glycosuria the Board finds the candidate confirm to the standard of medical fitness required they may pass the candidate fit subject to the glycosuria being non-diabetic and the Board will refer the case to a specified specialist in Medicine who has hospital and laboratory facilities at his disposal. The Medical Specialist will carry out whatever examinations clinical and laboratory he considers necessary including a standard blood sugar tolerance test, and will submit his opinion to the Medical Board upon which the Medical Board will base its final opinion "fit" or "unfit". The candidate will not be required to appear in person before the Board on the second occasion. To exclude the effects of medication it may be necessary to retain a candidate for several days in hospital under strict supervision.

9. A woman candidate who as a result of tests is found to be pregnant of 12 weeks standing or over should be declared temporarily unfit until the confirmed is over. She

should be re-examined for a fitness certificate six weeks after the date of confinement subject to the production of a medical certificate of fitness from a registered medical practitioner.

10. The following additional points should be observed.

(a) that the candidate's hearing in each ear is good and that there is no sign of disease of the ear. In case it is defective the candidate should be got examined by the ear specialist; provided that if the defect in hearing is remediable by operation or by use of a hearing aid, candidate cannot be declared unfit on that account provided he/she has no progressive disease in the ear. The following are the guidelines for the medical examining authority in this regard :—

- | | |
|--|--|
| (1) Marked or total deafness in one ear other ear being a normal, | Fit for non-technical jobs if the deafness upto 30 decibel in higher frequency. |
| (2) Perceptive deafness in both ears in which some improvement is possible by a hearing aid. | Fit in respect of both technical and non-technical jobs if the deafness is upto 30 decibel in speech frequency of 1000 to 4000. |
| (3) Perforation of tympanic membrane of central or marginal type. | <p>(i) One ear normal other ear Perforation of tympanic membrane present—Temporarily unfit. Under improved conditions of Ear Surgery a candidate with marginal or other perforation in both ears should be given a chance by declaring him temporarily unfit and then he may be considered under 4 (ii) below.</p> <p>(ii) Marginal or attic perforation in both ears—Unfit.</p> <p>(iii) Central perforation both ears—Temporarily unfit.</p> |
| (4) Ears with Mastoid cavity subnormal hearing on one side/on both sides | <p>(i) Either ear normal hearing other ear Mastoid cavity. Fit for both technical and non-technical jobs.</p> <p>(ii) Mastoid cavity of both sides—Unfit for technical jobs. Fit for non-technical jobs if hearing improves to 30 Decibels in either ear with or without hearing aid.</p> |

- | | |
|---|---|
| (5) Persistently/discharging ear operated/Unoperated | Temporarily Unfit for both technical and non-technical jobs. |
| (6) Chronic inflammatory/allergic conditions of nose with or without bony deformities of nasal Septum | (i) A decision will be taken as per circumstances of individual cases.

(ii) If deviated nasal septum is present with symptoms—Temporarily unfit. |
| (7) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx | (i) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or larynx—Fit.

(ii) Hoarseness of voice of severe degree if present then—Temporarily unfit. |
| (8) Benign or locally malignant tumours of the ENT | (i) Benign tumours—Temporarily Unfit.

(ii) Malignant Tumours—Unfit. |
| (9) Otosclerosis | If the hearing is within 30 Decibels after operation or with the help of hearing aid—Fit. |
| (10) Congenital defects of ear, nose or throat | (i) If not interfering with functions—Fit.

(ii) Stuttering of severe degree — Unfit. |
| (11) Nasal Poly | Temporarily Unfit. |
- (b) that his speech is without impediment;
- (c) that his teeth are in good order and that he is provided with dentures where necessary for effective mastication (well filled teeth will be considered as sound);
- (d) that the chest is well formed and his chest expansion sufficient; and that his heart and lungs are sound;
- (e) that there is no evidence of any abdominal disease;
- (f) that he is not ruptured;
- (g) that he does not suffer from hydrocele, a severe degree of varicocele, varicose veins or piles;
- (h) that his limbs hands and feet are well formed and developed and that there is free and perfect motion of all joints;
- (i) that he does not suffer from any inveterate skin disease;
- (j) that there is no congenital malformation or defect;
- (k) that he does not bear traces of acute or chronic disease pointing to an impaired constitution;

(l) that he bears marks of efficient vaccination; and

(m) that he is free from communicable disease

11. Radiographic examination of the chest should be done as a routine in all cases for detecting any abnormality of the heart and lungs, which may not be apparent by ordinary physical examination.

In case of doubt regarding health of a candidate, the Chairman of the Medical Board may consult a suitable Hospital specialist to decide the issue of fitness or unfitness of the candidate for Government Service, e.g. if a candidate is suspected to be suffering from any mental defect or aberration, the Chairman of the Board may consult a Hospital Psychiatrist/Psychologist, etc.

When any defect is found it must be noted in the certificate and the medical examiner should state his opinion whether or not it is likely to interfere with efficient performance of the duties which will be required of the candidate.

12. The candidate filing an appeal against the decision of the Medical Board have to deposit an appeal fee of Rs. 50 in such manner as may be prescribed by the Government of India in this behalf. This fee would be refunded if the candidate is declared fit by the Appellate Medical Board. The candidates may, if they like, enclose medical certificate in support of their claim of being fit. Appeal should be submitted within 21 days of the date of the communication in which the decision of the Medical Board is communicated to the candidates, otherwise, request for second medical examination by an Appellate Medical Board will not be entertained. The medical examination by the Appellate Medical Boards would be arranged at New Delhi only and no travelling allowance or daily allowance will be admissible for the journeys performed in connection with the medical examination. Necessary action to arrange medical examination by Appellate Medical Board would be taken by the Ministry of Finance (Department of Economic Affairs) or Ministry of Planning (Department of Statistics), as the case may be on receipt of appeals accompanied by the prescribed fee.

Medical Board's Report

The following intimation is made for the guidance of the Medical Examiner :—

The standard of physical fitness to be adopted should make due allowance for the age and length of service, if any, of the candidate concerned.

No person will be deemed qualified for admission to the Public Service who shall not satisfy Government, or the appointing authority, as the case may be, that he has no disease, constitutional affection, or bodily infirmity unfitting him, or likely to unfit him for that service.

It should be understood that the question of fitness involves the future as well as the present and that one of the main objects of medical examination is to secure continuous effective service, and in the case of candidates for permanent appointment to prevent early pension or payments in case

of premature death. It is at the same time to be noted that the question is one of the likelihood of continuous effective service, and the rejection of a candidate need not be advised on account of the presence of a defect which in only a small proportion of cases is found to interfere with continuous effective service.

The Board should normally consist of three members (i) a physician (ii) a Surgeon and (iii) an Ophthalmologist all of whom should as far as practicable, be of equal status. A lady doctor will be cooped as a member of the Medical Board whenever a woman candidate is to be examined.

Candidates appointed to the Indian Economic Service/ Indian Statistical Service are liable for field service in or out of India. In case of such a candidate the Medical Board should specifically record their opinion as to his fitness or otherwise for field service. The report of the Medical Board should be treated as confidential.

In case where a candidate is declared unfit for appointment in the Government Service, the grounds for rejection may be communicated to the candidate in board-terms without giving minute details regarding the defects pointed out by the Medical Board.

In cases where a Medical Board considers that a minor disability disqualifying a candidate for Government service can be cured by treatment (medical or surgical) a statement to that effect should be recorded by the Medical Board. There is no objection to a candidate being informed of the Board's opinion to this effect by the appointing authority and when a cure has been effected it will be open to the authority concerned to ask for another Medical Board.

In the case of candidates who are to be declared "Temporarily unfit" the period specified for re-examination should not ordinarily exceed six months at the maximum.

On re-examination after the specified period these candidates should not be declared temporarily unfit for a further period but a final decision in regard to their fitness for appointment or otherwise should be given.

(a) *Candidate's statement and declaration*

The candidate must make the statement required below prior to his Medical Examination and must sign the Declaration appended thereto. His attention is specially directed to the warning contained in the Note below :—

1. State your name in full in block letters)
2. State your age and birth place.
- (a) Do you belong to races such as Gorkhas, Garhwals, Assamese, Nagaland Tribes etc. whose average height is distinctly lower? Answer 'yes' or 'No' and if the answer is 'Yes' state the name of the race
3. (a) Have you ever had small pox, intermittent or any other fever-enlargement or suppuration of glands, spitting of blood, asthma, heart disease, lung disease, fainting attacks, rheumatism, appendicitis.

OR

- (b) Any other disease or accident requiring confinement to bed and medical or surgical treatment?
4. Have you suffered from any form of nervousness due to over work or any other cause?
5. Furnish the following particulars concerning your family:—

Father's age if living and State of health	Father's age at death and cause of death	No. of brothers living their ages and state of health	No. of brothers dead, their ages at and cause of death
--	--	---	--

1
2
3

Mother's age if living and state of health	Mother's age at death and cause of death	No. of sisters living their ages and state of health	No. of sisters dead, their ages at and cause of death
--	--	--	---

1
2
3

6. Have you been examined by a Medical Board before?
7. If answer to above is 'Yes' please state what Service/ Services, you were examined for
8. who was the examining authority
9. When and where was the Medical Board held?
10. Result of the Medical Board's examination, if communicated to you or if known.

I declare that all the above answers are to the best of my belief, true and correct.

Candidate's signature.....

Signed in my presence.....

Signature of the Chairman of the Board

NOTE—The candidate will be held responsible for the accuracy of the above statement. By wilfully suppressing any information he will incur the risk of losing the appointment and, if appointed, of forfeiting all claims to superannuation Allowance or Gratuity.

Report of the Medical Board on (name of candidate)

- Physical Examination
1. General development : Good fair
Poor
 - Nutrition : Thin Average Obese
 - Height (without shoes) weight

Best Weight..... When?..... any recent
change in weight?..... Temperature

Girth of Chest :

(1) (After full inspiration).....

(2) (After full expiration).....

2. Skin : Any obvious disease.....

3. Eyes :

(1) Any disease

(2) Night blindness

(3) Defect in colour vision

(4) Field of vision

(5) Visual acuity

(6) Fundus examination

Actuaty of vision.	Naked eye with glasses	Strength of glasses		
		Sph.	Cyl.	Axis

Distant Vision R.E.

L.E.

Near Vision R.E.

L.E.

4. Ears : Inspection..... Hearing : Right Ear.....
Left Ear

5. Glands Thyroid

6. Condition of teeth

7. Respiratory system : Does physical examination reveal
anything abnormal in the respiratory organs ?

If yes, explain fully

8. Circulatory System :

(a) Heart Any organic lesion ? Rate
Standing
After hopping 25 times

2 minutes after hopping

(b) Blood Pressure : Systolic..... Diastolic.....

9. Abdomen : Girth..... Tenderness.....
Hernia.....

(a) Palpable : Liver..... Spleen.....

Kidneys..... Tumours.....

(b) Haemorrhoids Fistula

10. Nervous System : Indication of nervous or mental
disabilities

11. Loco Motor System : Any abnormality

12. Genito Urinary System : Any evidence of Hydrocele,
varicocele, etc.

Urine Analysis :

(a) Physical appearance

(b) Sp. Gr.

(c) Albumen

(d) Sugar

(e) Casts

(f) Cell

13. Report of Screening/X-ray Examination of Chest....
.....

14. Is there anything in the health of the candidates likely
to render him unfit for the efficient discharge of his duties in
the service for which he is a candidate ?

NOTE : In case of a female candidate, if it is found that
she is pregnant of 12 weeks standing or over, she
should be declared temporarily unfit, vide regula-
tion 9.

15. (i) Has he been found qualified in all respects for the
efficient and continuous discharge of his duties in
the Indian Economic Service and Indian Statistical
Service ?

(ii) Is the candidate fit for FIELD SERVICE ?

NOTE.—The Board should record their findings under one
of the following three categories :

(i) Fit

(ii) Unfit on account of

(iii) Temporarily unfit on account of

Chairman

Place.....

Date

Member,

Member

